শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 189 | गुवाहाटी | रविवार, 9 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम दुनिया के सबसे बड़े झुमुर नृत्य महोत्सव की मेजबानी करने के लिए... पेज 2
मंत्री पीयूष ने पीएम-अजय की सीएसी बैठक में लिया हिस्सा पेज 3
दिल्ली चुनाव परिणाम से बदलेगी पंजाब की राजनीति पेज 5
राष्ट्रीय खेल : उत्तराखंड की अंकिता और सोनिया ने 10,000 मीटर दौड़ में जीते... पेज 7

दिल्ली से आप-दा हटी

दिल्ली में कमल का कमाल, जनता ने कहा- अबकी बार नो केजरीवाल, कांग्रेस ने लगाई 0 की हैट्रिक

नई दिल्ली। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में 27 सालों बाद कमल का कमाल नजर आया है। वहीं प्रदेश की जनता ने इस बार नो केजरीवाल कहा है। वहीं इस बार के चुनाव में अगर किसी के लिए कुछ नहीं बदला तो वो देश की ग्रैंड ओल्ड पार्टी कांग्रेस है। जिसने जीरो की हैट्रिक लगाते हुए अपना पिछले दो बार का प्रदर्शन बरकरार रखा। 70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली में भाजपा 48 सीटों पर कमल खिलाने में कामयाब रही। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी सिर्फ 22 सीटों पर सिमट गई। आप के उदय से पहले

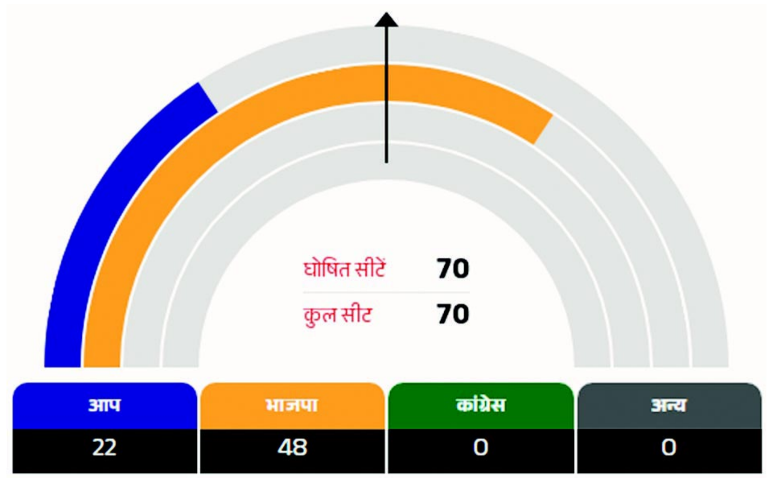

लगातार तीन बार शीला दीक्षित की अगुवाई में दिल्ली की सत्ता पर राज करने वाली कांग्रेस पिछले 3 चुनावों से एक सीट तक के लिए तरस गई है। दिल्ली में इस बार वोट शेयर की बात करें तो भाजपा को करीब 46 फीसदी वोट मिले हैं जबकि आम आदमी पार्टी करीब 44 फीसदी वोट पाने में सफल रही है। 6.40 वोट शेयर के साथ कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की ईमानदार और स्वच्छ राजनीति के पैरोकार वाली छवि पर प्रहार, चुनाव लड़ने की कथित पारंपरिक शैली साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की जगह लोगों के मुद्दों को प्रमुखता और प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रबंधन ने राजधानी दिल्ली में 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता में वापसी में प्रमुख भूमिका निभाई। इनके अलावा, जमीनी स्तर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की बूथ स्तरीय लगातार छोटी-छोटी बैठकों ने भी भाजपा की जीत की बुनियाद गढ़ने में योगदान दिया। नयी दिल्ली सीट पर कड़े त्रिकोणीय मुकाबले में वर्मा को 30,088 वोट मिले, जबकि केजरीवाल को 25,999 वोट मिले। कांग्रेस के संदीप दीक्षित 4,568 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पश्चिमी दिल्ली से दो बार सांसद रहे वर्मा ने भाजपा द्वारा आधिकारिक तौर पर उनकी उम्मीदवारी घोषित किए जाने से पहले ही केजरीवाल के खिलाफ अपना अभियान शुरू कर दिया और खुद को दिल्ली के तीन बार के पूर्व मुख्यमंत्री के लिए मुख्य चुनौती के रूप में पेश किया। केजरीवाल पर उनकी जीत से न केवल राजधानी में भाजपा के सबसे प्रमुख जाट नेताओं में से एक के रूप में उनका कद बढ़ गया है, बल्कि मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदार के रूप में उनकी स्थिति भी मजबूत हो गई है। प्रबंधन में स्नातक वर्मा युवावस्था से ही राजनीति में सक्रिय रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से शुरुआत की और फिर भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली के दिल में बसते हैं मोदी : नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद शनिवार को भाजपा मुख्यालय में भव्य आयोजन में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के नतीजे स्पष्ट संदेश देते हैं कि दिल्ली के दिल में मोदी बसते हैं। इस चुनाव और इससे पहले के लोकसभा चुनाव, दोनों ही चुनाव में दिल्ली की जनता ने एक स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी -शेष पृष्ठ दो पर

शराब ले डूबी केजरीवाल को : अन्ना

रालेगण सिद्धि (हि.स.)। प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की मतगणना के अब तक के रुझानों में आम आदमी पार्टी (आआपा) के प्रदर्शन पर अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने डेढ़ दशक पहले नई पार्टी आआपा पर भरोसा किया था। दिल्ली में शराब की दुकानें बढ़ाने पर दिल्ली के लोग आआपा से नाराज हो गए। इससे दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली जीत पर मोदी का आआपा-कांग्रेस पर तंज, कहा- देश को धूर्तता और मूर्खता की राजनीति नहीं चाहिए

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में कहा कि देश को धूर्तता और मूर्खता की राजनीति नहीं चाहिए। उनका इशारा स्पष्ट तौर पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी और राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की ओर था। दिल्ली में मिली बड़ी जीत पर पार्टी मुख्यालय में आयोजित समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने दिल्ली की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह *उत्साह* और *सुकून* का अवसर है। दिल्ली में धरना-प्रदर्शन की राजनीति तथा टकराव और

प्रशासनिक अनिश्चित से लोगों को बहुत नुकसान हुआ है। आज दिल्ली के विकास के सामने बड़ी रुकावट दिल्लीवासियों ने दूर की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दिल्ली में विधानसभा के पहले सत्र में *कैग की रिपोर्ट* प्रस्तुत की जाएगी और भ्रष्टाचार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और लूट का धन वसूल किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में मोदीमय माहौल : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की मेहनत से जनता का अपार आशीर्वाद मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने दिल्ली विधानसभा में भाजपा की शानदार जीत को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि मोदी के मार्गदर्शन में अब डबल इंजन सरकार देश की राजधानी को विश्व के बेहतरीन शहरों में शामिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा की 61,639 वोटों से प्रचंड जीत

लखनऊ। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के चंद्रभानु पासवान ने समाजवादी पार्टी के अजीत प्रसाद को 61639 वोट से हराया है। मतगणना के राउंड 30 के बाद आए नजीजों में भाजपा की प्रचंड जीत पर मुहर लग गई है। इस उपचुनाव में भाजपा को 145893, सपा को 84254, आजाद समाज पार्टी को 5439 तथा अन्य को 6755

वोट मिले हैं। मिल्कीपुर उपचुनाव में कुल 242341 मतदाताओं ने अपने मतादिधिकार का उपयोग किया है। अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर जीत से उत्साहित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि विजयी प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान को बधाई एवं उत्तर प्रदेश की विकास-यात्रा और सुशासन को अपना मत प्रदान करने वाली -शेष पृष्ठ दो पर

पूरब-पश्चिम, उत्तर से दक्षिण लहरा रहा भगवा

देश के 19 राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली विधानसभा चुनावों में प्रचंड जीत के साथ राष्ट्रीय राजधानी में 27 साल का लंबा सूखा समाप्त कर लिया है। अब तक, 70 सीटों में से भाजपा 48

पर आगे है, जबकि आम आदमी पार्टी 22 पर आगे है। यह चुनाव भाजपा के चेहरे के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लड़ा गया था। इस जीत के साथ, भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन अब 21 -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में 67 सीटों पर कांग्रेस की जमानत हुई जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के नेतृत्व में 15 साल तक सरकार चलाने के बाद सत्ता से बाहर हुई कांग्रेस इस बार के विधानसभा चुनाव में कुल 70 में से सिर्फ तीन सीटों पर ही अपनी जमानत बचा सकी और लगातार तीसरी बार चुनाव में उसका खाता तक नहीं खुला। यह बात जरूर है कि देश की मुख्य विपक्षी पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी में पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार अपनी वोट हिस्सेदारी में दो प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की है। उसने करीब 6.4 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि 2020 के विधानसभा चुनाव में उसे 4.26 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस ने अपने इस प्रदर्शन पर निराशा जताई और साथ ही कहा कि उसने 2025 के -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में आप की हार के बाद कमजोर हुआ *इंडिया* ब्लॉक

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के आठ महीने बाद विपक्षी *इंडिया* गठबंधन की स्थिति अब कमजोर होती

नजर आ रही है। गठबंधन के भीतर आपसी मतभेद के कारण चुनावी नतीजे उम्मीद से कम रहे, जिससे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गई है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की हार के बाद देश में विपक्षी इंडिया गठबंधन द्वारा शासित राज्यों की संख्या घटकर आठ रह गई है, जिसमें कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। विपक्षी इंडिया गठबंधन की शुरुआत लोकसभा चुनाव से पहले हुई थी, जिसमें भाजपा को हराने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

एक्शन शुरू : चुनाव परिणाम के बीच सीएम ऑफिस को किया गया सील

नई दिल्ली। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में कमल का कमाल दिख रहा है और आप का बुरा हाल हुआ है। वहीं कांग्रेस तो लगातार तीसरी बार शून्य पर आउट हो गई है। दिल्ली में भाजपा की बंपर जीत और आप की हार के साथ ही अरविंद केजरीवाल खुद तक अपनी सीट गंवा चुके हैं। लेकिन इन सब के बीच प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। सुरक्षा

स्थिति और सरकारी रिकॉर्ड के मद्देनजर दिल्ली सचिवालय को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक नोटिस जारी कर कहा कि सुरक्षा चिंताओं और रिकॉर्ड की सुरक्षा को संबोधित करने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि जीएडी की अनुमति के बिना कोई भी फाइल/दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि दिल्ली सचिवालय परिसर के बाहर नहीं ले जाया जा सकता है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

SITUATION VACANT

Hiring Civil Engineer, Marketing Executive 10 nos for Guwahati & Hojai District.
Contact : 80112-41415, 99578-96885
assureconsultancy0707@gmail.com

डबल इंजन की सरकार करेगी दिल्ली का विकास : सीएम

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मिली प्रचंड और ऐतिहासिक जीत पर कहा कि अब दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनने से विकास होगा।

असम दुनिया के सबसे बड़े झुमुर नृत्य महोत्सव की मेजबानी करने के लिए तैयार : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य दुनिया के सबसे बड़े झुमुर नृत्य की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसे झुमॉइर भी कहा जाता है, जो राज्य में आगामी निवेश शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। असम के सीएम ने एक्स पर लिखा कि विश्व का सबसे बड़ा झुमोर प्रदर्शन 24 फरवरी को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। उन्होंने एक छोटा वीडियो भी पोस्ट किया। दो दिवसीय निवेश शिखर सम्मेलन - एडवांटेज असम 25 और 26 फरवरी को होगा। आयोजन से एक दिन पहले, असम सरकार प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा झुमुर नृत्य आयोजित करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराना चाहती है। शर्मा ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन निवेशकों को आकर्षित करने के अलावा वैश्विक दर्शकों के लिए असम की समृद्ध परंपराओं को प्रदर्शित करने का एक मंच है। उन्होंने जोर देकर कहा कि 7,500 से अधिक नर्तकियों और कलाकारों के साथ शानदार झुमुर नृत्य प्रदर्शन एक असाधारण शो होगा। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए तैयारियां चल रही हैं। असम के सीएम ने कहा कि मास्टर ट्रेनिंग वर्कशॉप, निर्वाचन क्षेत्र स्तर के सत्र, जिला स्तर के प्रदर्शन और गुवाहाटी में अंतिम रिहर्सल के जरिए सही निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। यह तब हुआ जब असम ने सबसे बड़े बिहू नृत्य प्रदर्शन के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। एडवांटेज असम 2.0 का लक्ष्य, 2018 में लॉन्च होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय निवेशक शिखर सम्मेलन का दूसरा संस्करण, राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश को बढ़ाना है। दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत और दुनिया भर से निवेशकों के आने की उम्मीद है, जिससे देश में एक नए निवेश गंतव्य के रूप में असम की स्थिति मजबूत होगी। इससे पहले, शर्मा ने दावा किया कि असम देश के सबसे शांतिपूर्ण राज्यों में से एक बन गया है, जहां अपराध दर में भारी गिरावट आई है, और कहा कि व्यवसाय करने में आसानी और एकल खिड़की मंजूरी के साथ परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे राज्य निवेश के लिए एक संभावित स्थान बन गया है। उन्होंने कहा कि हम बुनियादी ढांचे और औद्योगिक मोर्चों पर बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

असम पुलिस ने सात करोड़ की ड्रग्स जब्त की : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि श्रीभूमि पुलिस ने तड़के 7 करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स बरामद की। एक माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अलग-अलग घटनाओं में, पुवामारा में 50 हजार याबा टैबलेट बरामद किए गए, जिसके परिणामस्वरूप एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई; जबकि लोंगई में 5,800 याबा टैबलेट बरामद होने के बाद एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर साझा किए गए वीडियो में पुलिसकर्मियों को वाहनों के टायर खोलते हुए, उनके अंदर कसकर भरे गए याबा टैबलेट्स के ढेर बरामद करते हुए देखा जा सकता है। इससे पहले गुरुवार को ग्वालपाड़ा पुलिस ने चुनारी थाना अंतर्गत पश्चिम फतेंगापाड़ा चार में 10 बीघा अवैध अफीम की खेती को नष्ट कर दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इससे पहले जनवरी में ग्वालपाड़ा पुलिस ने 27.20 करोड़ रुपए मूल्य की 170 बीघा अफीम की खेती नष्ट की थी। एक अलग घटनाक्रम में, गुवाहाटी के संयुक्त पुलिस आयुक्त अंकुर जैन ने बताया कि जनवरी माह में गुवाहाटी पुलिस ने 52 मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया और भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया। इस जप्ती में 686.64 ग्राम संदिग्ध हेरोइन, 43.46 किलोग्राम संदिग्ध मारिजुआना, याबा जैसी विभिन्न दवाओं की 29,162 गोलियां तथा खांसी की दवा की 2,300 बोतलें शामिल थीं। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने इस सप्ताह की शुरुआत में शहर में एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि जब्त की गई दवाओं का अनुमानित बाजार मूल्य 6.75 करोड़ रुपए है।

एएसईबी रोड के डंप यार्ड में छापा, स्क्रैप डीलर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। भांगागढ़ थाना की एक टीम ने एएसईबी रोड स्थित डंप यार्ड पर छापा मारकर हाजो के स्क्रैप डीलर मोमिर अली (46) को गिरफ्तार किया। पुलिस मुख्यालय द्वारा आज जारी एक बयान में बताया गया है कि छापे के दौरान चोरी का सामान बरामद किया गया, जिसमें एसी मोटर, एसी कॉपर पाइप, एंगल रिंच, लोहे का कलवर्ट, बैटरियां, एसी कवर, एल्युमिनियम बार, इलेक्ट्रिसिटी मीटर बॉक्स और इलेक्ट्रिकल वायर शामिल हैं। पुलिस ने जब्त किए गए सामान की जांच शुरू कर दी है।

पूसीरे ने रेलवे कॉलोनियों में अतिक्रमण अभियान चलाया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) अतिक्रमण को चिह्नित करने के लिए नियमित सर्वेक्षण करती है और इसे हटाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करती है। अनधिकृत कब्जा ट्रेन परिचालन में बाधा डालते हैं, सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं और ट्रैक अनुरक्षण एवं बुनियादी संरचना के विकास में बाधा उत्पन्न करते हैं। इसके अतिरिक्त, इस तरह के अतिक्रमण आपराधिक गतिविधियों और नशीले पदार्थों के सेवन को बढ़ावा देते हैं, जो क्षेत्र की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। पूसीरे इन गतिविधियों को रोकने और रेलवे संपत्ति एवं रेलवे समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज एक बयान में बताया है कि बीते शुक्रवार को को पूसीरे के अधीन लमडिंग मंडल के न्यू गुवाहाटी काम्प्लेक्स में अतिक्रमण अभियान चलाया गया। यह अभियान न्यू गुवाहाटी के 20 रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ स्थानीय पुलिस के 24 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सहयोग से चलाया गया। यह अभियान चांदमारी के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) की देखरेख में चलाया गया। अतिक्रमण अभियान के दौरान कुल 68 अनधिकृत क्वार्टरों को खाली कराया गया।

पृष्ठ एक का शेष

दिल्ली में कमल का...

में शामिल हुए। वर्ष 2014 और 2019 में पश्चिमी दिल्ली से लगातार लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने से पहले वह 2013 में महरौली से विधायक बने। वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य वर्मा अपने पिता (दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा) द्वारा स्थापित एक गैर-लाभकारी संगठन *राष्ट्रीय स्वाभिमान* के माध्यम से सामाजिक कार्यों में भी शामिल रहे हैं। भाजपा के मारवाह ने जंगपुरा निर्वाचन क्षेत्र में सिसोदिया को 675 मतों के मामूली अंतर से हराया। मारवाह को 38,859 वोट मिले, जबकि सिसोदिया को 38,184 वोट मिले। कांग्रेस उम्मीदवार फरहाद सूरी को 7,350 वोट मिले। आप के प्रमुख रणनीतिकार और पार्टी के शिक्षा सुधारों का चेहरा रहे सिसोदिया दिल्ली आबकारी नीति मामले में 2023 में अपनी गिरफ्तारी के बाद 17 महीने जेल में बिताने के बाद चुनावी राजनीति में लौट आए थे। अगस्त 2024 में जमानत पर रिहा होने के बाद उन्होंने शिक्षा और शासन पर केंद्रित एक अभियान का नेतृत्व किया। हालांकि, पटपड़गंज के बजाय जंगपुरा सीट से सिसोदिया के चुनाव लड़ने के कदम से अटकलें तेज हो गईं, विरोधियों ने उन पर सुरक्षित सीट हासिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने पटपड़गंज से 2020 का चुनाव 3,207 वोट के मामूली अंतर से जीता था। उनके प्रयासों के बावजूद यह हार आप के लिए एक बड़ा झटका है, जिसने उन्हें अपने शासन मॉडल के एक स्तंभ के रूप में पेश किया था। चुनाव से पहले, केजरीवाल ने वादा किया था कि अगर आप सत्ता बरकरार रखती है तो सिसोदिया को उपमुख्यमंत्री पद पर बहाल किया जाएगा। हार स्वीकार करते हुए सिसोदिया ने कहा कि हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अच्छी लड़ाई लड़ी और हमने कड़ी मेहनत की। लोगों ने हमारा समर्थन किया, लेकिन मैं 600 वोट से हार गया। मैं जीतने वाले उम्मीदवार को बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि वह निर्वाचन क्षेत्र की अच्छी सेवा करेंगे।

देश को धूर्तता...

कहा कि कांग्रेस की सोच *अर्बन नक्सल* जैसी हो गई है और आम आदमी पार्टी इसी सोच को आगे बढ़ा रही थी। यही अर्बन नक्सल सोच राष्ट्र की उपलब्धियों पर हमला करती है। ये लोग देश के खिलाफ लड़ रहे हैं और समाज में अराजकता लाने की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पार्टी को एक बार फिर *परजीवी* की संज्ञा दी और कहा कि हिन्दुत्व की राजनीति का असफल प्रयास करने के बाद पार्टी अब क्षेत्रीय दलों के राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश कर उनका वोट खाने में लगी है। कांग्रेस एक के बाद एक अपने सहयोगियों को खत्म कर रही है। कई सहयोगी दल इस बात को पूरी तरह से समझ गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की आज की स्थिति यह है कि वह पिछले 6 बार से दिल्ली में कोई सीट नहीं जीत पाई है। उन्होंने शून्य की *डबल हैट्रिक* लगाई है। उनका इशारा दिल्ली में पिछले तीन बार हुए विधानसभा और लोकसभा चुनाव नतीजों की ओर था। आम आदमी पार्टी (आआपा) पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरोध में आंदोलन शुरू करने वाली पार्टी ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई। खुद को ईमानदारी का सर्टिफिकेट और दूसरों को बेईमानी का मेडल देने वाले ही खुद (अरविंद केजरीवाल) भ्रष्टाचारी निकले। यह दिल्ली के भरोसे के साथ बहुत बड़ा धोखा था। इस बार प्रदेश की राजनीति में यमुना की सफाई एक बड़ा मुद्दा बनी। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली वासियों को आश्वासन दिया कि वह यमुना नदी की सफाई करायेंगे। उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि यह काम कठिन है और इसमें लंबा समय लगेगा लेकिन वह मजबूत संकल्प और यमुना माई के आशीर्वाद के साथ सेवा भाव से हर प्रयास करेंगे। दिल्ली विधानसभा में मिली जीत को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र की तरक्की से जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि इस समय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के हर राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। हमारी कोशिश रहेगी कि इस पूरे क्षेत्र में मोबिलिटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर में ढेर सारा काम हो रहा है और नौजवानों को तरक्की के अवसर मिल रहे हैं। दिल्ली की जीत के समीकरण की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में गरीब-झुग्गी में रहने वाले भाई-बहन और मिडिल क्लास ने भाजपा को जबरदस्त समर्थन दिया है। भाजपा ने हमेशा गरीब और मिडिल क्लास को अपनी प्राथमिकता में रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को विकास, विश्वास और सुशासन से जोड़ा और कहा कि एनडीए का हर जनप्रतिनिधि लोगों के हित में काम करता है। देश में जहां भी एनडीए की सरकार को जनादेश मिला है, वहां राज्य का विकास नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। प्रधानमंत्री ने अयोध्या के मिल्कीपुर में भाजपा को मिली जीत का भी उल्लेख किया और कहा कि हर वर्ग ने बड़ी संख्या में भाजपा के लिए मतदान किया है। आज देश तुष्टीकरण नहीं बल्कि संतुष्टीकरण की नीति चुन रहा है। पूर्वांचल के लोगों के प्रति विशेष आभार प्रकट करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह स्वयं पूर्वांचल से सांसद हैं। वहां से उनका अपनेपन का रिश्ता है। उन्होंने अपने भाषण में हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्य में भाजपा को मिली जीत का भी अपने भाषण में उल्लेख किया।

मिल्कीपुर उपचुनाव में ...

मिल्कीपुर विधान सभा क्षेत्र की देवतुल्य जनता-जनार्दन का हार्दिक अभिनंदन! जय श्री राम! यह जीत जनता के यूपी सरकार के प्रति आमजन के अटूट विश्वास की जीत है। वहीं अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल *एक्स* पर लिखा कि पीडीए की बढ़ती शक्ति का सामना भाजपा वोट के बल पर नहीं कर सकती है, इसीलिए वो चुनावी तंत्र का दुरुपयोग करके जीतने की कोशिश करती है। ऐसी चुनावी धांधली करने के लिए जिस स्तर पर अधिकारियों की हेराफेरी करनी होती है, वो 1 विधानसभा में तो भले किसी तरह संभव है, लेकिन 403 विधानसभाओं में ये *चार सौ बीसी* नहीं चलेगी। इस बात को भाजपा वाले भी जानते हैं, इसीलिए भाजपाइयों ने मिल्कीपुर का उपचुनाव टाला था। सपा प्रमुश ने आगे लिखा कि पीडीए मतलब 90 प्रतिशत जनता ने खुद अपनी आंखों से ये धांधली देखी है। ये झूठी जीत है, जिसका जश्न भाजपाई कभी भी आईने में अपनी आंखों-में-आंखों डालकर नहीं मना पाएंगे। उनका अपराधबोध और भविष्य में हार का डर उनकी नींद उड़ा देगा। अखिलेश यादव ने पुलिस अधिकारियों पर तंज कसते हुए *एक्स* पर आगे लिखा कि जिन अधिकारियों ने चुनावी घपलेबाजी का अपराध किया है वो आज नहीं तो कल अपने लोकतांत्रिक-अपराध की सजा पाएंगे। एक-एक करके सबका सच सामने आएगा। न कुदरत उन्हें बख्शेगी, न कानून भाजपाई उनका इस्तेमाल करके छोड़ देंगे, उनकी ढाल नहीं बनेंगे। जब उनकी नौकरी और पेंशन जाएगी तो वो अपने बच्चों, परिवार और समाज के बीच अपमान की जिंदगी की सजा अकेले भुगतेंगे। लोकसभा चुनावों में अयोध्या में हुई पीडीए की सच्ची जीत, उनके मिल्कीपुर के विधानसभा की झूठी जीत पर कई गुना भारी है और हमेशा रहेगी।

पूरब-पश्चिम, उत्तर...

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में शासन करेगा। दिल्ली समेत अब 15 राज्यों में अकेले भाजपा की सरकार है। 2024 में पीएम मोदी ने लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक कार्यकाल हासिल किया, जिससे वह भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले नेताओं में से एक बन गए। उनके नेतृत्व में, भाजपा ने पिछले साल आठ राज्यों-आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, ओडिशा, जम्मू और कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव लड़ा। पार्टी और उसके सहयोगियों ने पांच राज्यों - आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, हरियाणा और महाराष्ट्र में सरकारें बनाईं। सिक्किम में एसकेएम के साथ भाजपा का गठबंधन चुनाव से पहले टूट गया, हालांकि दोनों केंद्रीय स्तर पर गठबंधन में बने हुए हैं। भाजपा-एनडीए शासित राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों की लिस्ट- उत्तर प्रदेश (भाजपा), महाराष्ट्र (भाजपा), मध्य प्रदेश (भाजपा), गुजरात (भाजपा), राजस्थान (भाजपा), ओडिशा (भाजपा), असम (भाजपा), छत्तीसगढ़ (भाजपा), हरियाणा (भाजपा), दिल्ली (भाजपा), उत्तराखंड (भाजपा), त्रिपुरा (भाजपा), गोवा (भाजपा), अरुणाचल प्रदेश (भाजपा), मणिपुर (भाजपा)। एनडीए अलायंस : आंध्र प्रदेश (टीडीपी), बिहार (जेडीयू), मेघालय (एनपीपी), नागालैंड (एनडीपीपी), सिक्किम (एसकेएम), पुडुचेरी (एआईएनआरसी)। भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) को निर्णायक रूप से हरा दिया है, जो 2012 में अपनी स्थापना के बाद से राज्य चुनाव में आप की पहली हार है। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उभरी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा क्योंकि भाजपा 27 साल बाद सत्ता में वापस आ गई। अभियान के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अरविंद केजरीवाल की पार्टी पर तीखे हमले किए, यहां तक कि इसे *आप-दा* (एक आपदा) भी कहा और चेतावनी दी कि यह दिल्ली के भविष्य के लिए खतरा है। दूसरी ओर, केजरीवाल और उनकी पार्टी ने शासन के केजरीवाल मॉडल पर चुनाव लड़ा।

दिल्ली में 67 ...

विधानसभा चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है और पांच साल बाद सत्ता में वापसी करेगी। कांग्रेस के जो तीन उम्मीदवार दिल्ली में अपनी जमानत बचाने में सफल रहे उनमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव भी शामिल हैं जिन्हें 40 हजार से अधिक मत और 27 प्रतिशत से ज्यादा वोट मिले। वह तीसरे स्थान पर रहे। यदि किसी उम्मीदवार को डाले गए कुल वोटों का कम से कम छठा हिस्सा नहीं मिलता है तो जमानत स्वरूप उसके द्वारा निर्वाचन आयोग के समक्ष दी गई राशि जब्त हो जाती है। दिल्ली के कस्तूरबा नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक दत्त न सिर्फ अपनी जमानत बचाने में सफल रहे, बल्कि दूसरे स्थान पर भी रहे। यह दिल्ली की इकलौती सीट हैं जहां कांग्रेस दूसरे पर स्थान पर रही। दत्त ने 27019 वोट हासिल किए और उन्हें भाजपा उम्मीदवार नीरज बसोया से 11 हजार से अधिक मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें करीब 32 प्रतिशत वोट हासिल हुए। नांगलोई जाट तीसरी ऐसी सीट है जहां कांग्रेस जमानत बचाने में सफल रही। यहां से पार्टी के उम्मीदवार और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव रोहित चौधरी ने 31918 वोट और 20.1 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया। वह तीसरे स्थान पर रहे। संदीप दीक्षित, अलका लांबा, कृष्णा तीरथ, मुदित अग्रवाल, हारून यूसुफ और राजेश लिलोठिया ऐसे नेता रहे जो अपनी जमानत बचाने में विफल रहे। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनौती देने वाले पूर्व सांसद दीक्षित सिर्फ 4568 वोट हासिल कर सके और वह तीसरे स्थान पर रहे। इस सीट पर भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को 4089 मतों के अंतर से पराजित किया। मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ कालकाजी से चुनाव लड़ने वाली अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा को सिर्फ 4392 वोट मिले। मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री रहीं कृष्णा तीरथ को इस बार कांग्रेस ने पटेल नगर से टिकट दिया था, लेकिन उन्हें सिर्फ 4654 वोट से संतोष करना पड़ा और वह तीसरे स्थान पर रहीं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेश लिलोठिया को 11823 वोट मिले और वह तीसरे स्थान पर रहे। शीला दीक्षित सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे हारून यूसुफ बल्लीमारान से महज 13059 वोट ही हासिल कर सके और उनकी जमानत जब्त हो गई। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक को वजीरपुर से 63,848 वोट, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार को 16549 वोट तथा दिल्ली नगर निगम के पूर्व महापौर फरहाद सूरी को जंगपुरा से 7350 वोट हासिल हुए। दिल्ली की राजनीति में 1998 से 2013 तक अपना सुनहरा दौर देखने वाली कांग्रेस के लिए यह लगातार तीसरा विधानसभा चुनाव था जिसमें उसे एक भी सीट नहीं मिली। इस चुनाव में 12 सीटें ऐसी हैं जहां आम आदमी पार्टी को भाजपा से जितने मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा उससे अधिक मत कांग्रेस को मिले हैं। ऐसी एक सीट नई दिल्ली हैं जहां आप के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल को भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा से 4089 मतों के अंतर से हार का मुंह देखना पड़ा, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित को इस सीट पर 4568 वोट मिले। कांग्रेस 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में भी अपना खाता नहीं खोल सकी थी। दिल्ली में 1993 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 14 सीटें जीती थीं, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने 49 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। कांग्रेस का सर्वश्रेष्ठ दौर 1998 से 2013 तक का रहा। शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस ने लगातार तीन चुनाव (1998, 2003, और 2008) जीते और दिल्ली में 15 साल तक सत्ता में रही। 1998 में कांग्रेस ने 52 सीटें, 2003 में 47 सीटें और 2008 में 43 सीटें हासिल कीं। आम आदमी पार्टी के उदय के बाद दिल्ली की राजनीति में कांग्रेस का पराभव शुरू हुआ और 2013 के चुनाव में उसे सिर्फ 8 सीटें मिलीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश कांग्रेस ने इस निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में कहा कि कांग्रेस को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, हालांकि वोट शेयर बढ़ा है। कांग्रेस का प्रचार अभियान जोरदार था। विधानसभा में भले ही न हो लेकिन दिल्ली में इसकी उपस्थिति जरूर है। रमेश ने कहा कि यह ऐसी उपस्थिति है जिसे लाखों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के निरंतर प्रयासों से चुनावी रूप से विस्तारित किया जाएगा तथा 2030 में दिल्ली में एक बार फिर कांग्रेस सरकार बनेगी।

दिल्ली में आप की ...

विभिन्न पार्टियां एकजुट हुईं थीं। ये पार्टियां राज्यों में अक्सर एक-दूसरे से टकराती थीं। हालांकि, भाजपा को सत्ता में आने से रोकने में इन्हें कामयाबी नहीं मिली। हालांकि, भाजपा को अकेले बहुमत हासिल करने से रोकना इसकी एक बड़ी उपलब्धि थी। गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने दिल्ली में आप के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया, जिससे दोनों दलों के बीच तल्खी बढ़ गई। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने आप और इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल की कड़ी आलोचना की थी, जिससे दोनों दलों के बीच अनबन हुई। समाजवादी पार्टी (सपा) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने आप का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें लगता था कि आप भाजपा को सबसे बेहतर चुनौती पेश कर सकता है। बिहार चुनाव में इंडिया ब्लॉक एकजुट दिख सकता है। हालांकि, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावों में यह गठबंधन फिर से परखा जाएगा। इन दोनों राज्यों में विभिन्न दलों को एकजुट करना चुनौतीपूर्ण होगा। गठबंधन के भीतर मतभेदों पर कई विपक्षी नेताओं ने नाराजगी जताई है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली चुनाव पर टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि और लड़ो आपसे में! माकपा और आईयूएमएल ने भी कांग्रेस को दोषी ठहराया कि अगर सभी पार्टियां एकजुट होतीं, तो भाजपा को दिल्ली में जीतने से रोका जा सकता था। हालांकि, दिल्ली चुनाव के परिणामों को कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत के रूप में नहीं देख रही है, बल्कि अरविंद केजरीवाल और आफ के खिलाफ जनादेश के रूप में देख रही है। कांग्रेस ने कहा कि दिल्ली में 2015 और 2020 में प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता के बावजूद आप ने बड़ी जीत हासिल की थी, इसलिए ये वोट मोदी की नीतियो के नहीं, बल्कि केजरीवाल की राजनीति के खिलाफ थे।

एक्शन शुरू : चुनाव...

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के भारत चुनाव आयोग के रुझानों से राजधानी में भाजपा की वापसी का संकेत मिल रहा है। नोटिस में कहा गया है कि यह आदेश सचिवालय कार्यालयों और मंत्रिपरिषद के कैंप कार्यालयों पर लागू है और दोनों कार्यालयों के प्रभारियों को भी इस आदेश के अनुपालन के लिए निर्देशित किया जाता है। आदेश पर संयुक्त सचिव (जीएडी) प्रदीप तायल के हस्ताक्षर हैं। चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025 के विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया जैसे आप दिग्गज अपनी-अपनी सीटों से हार गए हैं, सीएम आतिशी कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र से जीत गई हैं। भारत के चुनाव आयोग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान बुधवार, 5 फरवरी को हुआ, जिसमें लगभग 60.54 प्रतिशत मतदान हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने विधानसभा चुनाव के जनादेश को स्वीकार करते हुए चुनाव परिणामों को एक झटके की तरह बताया, लेकिन भाजपा के खिलाफ पार्टी का संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। भाजपा ने राष्ट्रीय राजधानी में आप को हराकर एक बड़ी जीत हासिल की है और वह 26 वर्षों से अधिक समय के बाद दिल्ली में सरकार बनाने के लिए तैयार है। आतिशी ने पत्रकारों से कहा कि सबसे पहले मैं दिल्ली की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करती हूं, जो मजबूती से डटे रहे। हम जनादेश को स्वीकार करते हैं।

दिल्ली के दिल ...

झूठ बोलने की संपदा है। यह भ्रष्टाचार करने के नए-नए तरीके को इजाद करने की पार्टी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप और दिल्ली की जनता ने लोकसभा में 7 की 7 सीटों पर भाजपा को विजय दिलाई और इस विधानसभा चुनाव में आपने 48 सीटों पर विजय दिलाई। ये नतीजे स्पष्ट संदेश देते हैं कि दिल्ली के दिल में मोदी बसते हैं। उन्होंने भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का आभार जताया, जिन्होंने दिन रात मेहनत की, घर-घर गए, पार्टी के प्रति, प्रधानमंत्री की नीतियों के प्रति जनता के उत्साह को वोट में बदलने में आपने (कार्यकर्ताओं ने) अथक प्रयास किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले दस सालों में भारत की राजनीतिक संस्कृति में परिवर्तन लेकर आए। वे विकास की राजनीति को लेकर आए। उन्होंने वंचित-पीड़ित की सेवा, उनके जीवनस्तर में परिवर्तन लाने का काम किया। भाजपा ने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति की। जो कहा वो किया, जो नहीं कहा वो भी करके दिखाया। यह मोदी की गारंटी, गारंटी पूरी होने की गारंटी है। आम आदमी पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए नड्डा ने कहा कि यह चुनाव के नतीजे एक संदेश है कट्टर बेईमान नेता और पार्टी को मुंहतोड़ जवाब है। आम आदमी पार्टी ने जिस तरीके से दिल्ली को कूड़ादान बना दिया था, घर घर के आगे कूड़े के ढेर लगा दिए। उन्होंने दिल्ली में लोगों को गंदा पानी पीने को मजबूर किया, लोगों ने जवाब दे दिया कि ऐसी पार्टी की दिल्ली को आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि *आपदा-पार्टी* झूठ बोलने की पार्टी है। यह झूठ बोलने की संपदा है, भ्रष्टाचार करने के नए नए तरीके को इजाद करने की पार्टी है। दिल्ली की जनता ने स्पष्ट कर दिया कि यह पार्टी झूठ की पार्टी है। उन्होंने कहा कि यह लोग जो खुद को कट्टर ईमानदार बोलते थे, इनके मंत्री जेल की हवा खाकर आएं और उनका हारना इस बात को स्पष्ट करता है दिल्ली ने उनके जेल जाने पर मुहर लगाई। युवा, महिलाओं ने भाजपा पर भरोसा जताया। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में दिल्ली में हुए हर चुनाव में कांग्रेस का ग्राफ जीरो रहा है। यह जीत स्पष्ट बताता है यह लोग अब आपदा नहीं सहेंगे,सरकार बदलकर रहेंगे। उन्होंने भरोसा दिया कि दिल्ली की जनता से जो उन्हें विश्वास मिला है, जो पार्टी ने वायदे किए हैं, वो वादे दिल्ली में भी पूरे करके दिखाएंगे।

शराब ले डूबी ...

की छवि खराब हुई। आआपा का खराब प्रदर्शन इसी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से जनता की सेवा ही भगवान की पूजा होती है। यह बात अरविंद केजरीवाल की समझ में नहीं आई। इस कारण से वो गलत रास्ते पर गया। अन्ना हजारे ने पिछले दिनों एक इंटरव्यू में कहा था कि बुरे काम करने वालों को जनता सबक सिखाएगी। केजरीवाल की जीत या हार का पता चुनाव नतीजों के बाद चलेगा। नतीजे बताएंगे कि क्या सही है और क्या गलत। उल्लेखनीय है कि अन्ना आंदोलन के समय ही केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने कुछ लोगों के साथ मिलकर आआपा की स्थापना की थी।

कांग्रेस हारी, कांग्रेसी खुश, कार्यकर्ता बोले-

लंबे समय बाद मिली शांति

नई दिल्ली। कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव में बुरी तरह हार गई है। वह लगातार तीसरी बार शून्य पर अटकती दिखाई दे रही है। लेकिन इसके बाद भी कांग्रेसी कार्यकर्ता खुश हैं। कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि बहुत दिनों बाद उन्हें खुशी की खबर मिली है। इतनी खुशी तो तब भी नहीं हुई थी जब पार्टी ने हिमाचल-तेलंगाना में अपनी सरकार बनाई थी। एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि केजरीवाल की हार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को सच्ची श्रद्धांजलि है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि पार्टी की गिरावट का सबसे बड़ा कारण केजरीवाल रहे हैं जिन्होंने अपने आधारहीन आरोप लगाकर कांग्रेस नेताओं की छवि खराब करने का काम किया था। एक कांग्रेस कार्यकर्ता ने लिखा है कि केजरीवाल ने जो झूठ का महल बनाकर अपनी राजनीतिक पारी शुरू की थी, आज वे उसी महल के नीचे दब गए। एक अन्य सोशल मीडिया यूजर ने स्वाती मालीवाल की मुख्यमंत्री आवास में हुई पिटाई का उल्लेख करते हुए लिखा है कि केजरीवाल को महिलाओं का अपमान भारी पड़ा। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि दिल्ली की आपदा टल गई, अब पंजाब की बारी है। एक कांग्रेस नेता ने लिखा है कि उनकी पार्टी ने दिल्ली में अपना काम कर दिया। केजरीवाल बहुत हवा में उड़ रहे थे। कांग्रेस ने उनका इलाज कर दिया। कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी इस अर्थ में महत्त्वपूर्ण है कि कांग्रेस नेता भले ही हार गए, लेकिन ज्यादातर सीटों पर वही केजरीवाल का हार का कारण बन गए।

डॉ. नितेन चंद्रा ने असम सैनिक कल्याण निदेशालय का किया दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। भारत सरकार के पूर्व सैनिक कल्याण (रक्षा मंत्रालय) के सचिव डॉ. नितेन चंद्रा, आईएएस ने मेजर जनरल एसबीके सिंह, पुनर्वास महानिदेशक के साथ असम सैनिक कल्याण निदेशालय, गुवाहाटी का दौरा किया। उन्होंने निदेशालय द्वारा चलाए जा रहे कल्याण, वित्तीय और अवसंरचना से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। निदेशक ब्रिगेडियर पोलाश चौधरी, सेना मेडल (सेवानिवृत्त) ने उन्हें सभी गतिविधियों, विशेष रूप से ईसीएचएस से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. नितेन चंद्रा ने निदेशालय द्वारा पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों पर संतोष व्यक्त किया और इसे इसी सक्रियता से जारी रखने का आह्वान किया।

मंत्री पीयूष ने पीएम-अजय की सीएसी बैठक में लिया हिस्सा

दिव्यांग विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हिंस)। असम के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री पियूष हजारिका ने प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-एजेएवाई) की केंद्रीय सलाहकार समिति (सीएसी) की पहली बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में उन्होंने असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए योजना के तहत छात्रावास घटक को बढ़ाने का अनुरोध किया। शनिवार को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में हुई बैठक में हजारिका ने कहा कि देश के अन्य हिस्सों की तुलना में पूर्वोत्तर क्षेत्र को इस योजना के तहत अधिक सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने छात्रावास घटक की वर्तमान राशि 20 लाख रुपए से बढ़ाने की मांग की। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र

कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सीएसी के सदस्य, विभिन्न राज्यों के संबंधित विभागों के मंत्री और कई मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम-अजय योजना सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पीएम-अजय, जो 2021-22 में शुरू की गई थी, इसमें आदर्श ग्राम, राज्य/जिला स्तर की परियोजनाओं को अनुदान और छात्रावास निर्माण जैसे तीन घटक शामिल हैं। सीएसी इस योजना की नीति संबंधी मुद्दों पर मार्गदर्शन करेगी और सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का आकलन कर कार्यान्वयन संबंधी दिशानिर्देश प्रदान करेगी। बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंत्री हजारिका ने लिखा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार से मुलाकात कर असम में देश का पहला दिव्यांग विश्वविद्यालय स्थापित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान दिव्यांगजनों को शिक्षा, कौशल विकास और सशक्तिकरण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। केंद्रीय मंत्री ने उनके प्रस्ताव को गंभीरता से सुना।

दिल्ली में *आप* के दोहरे चरित्र के खिलाफ ऐतिहासिक जनादेश

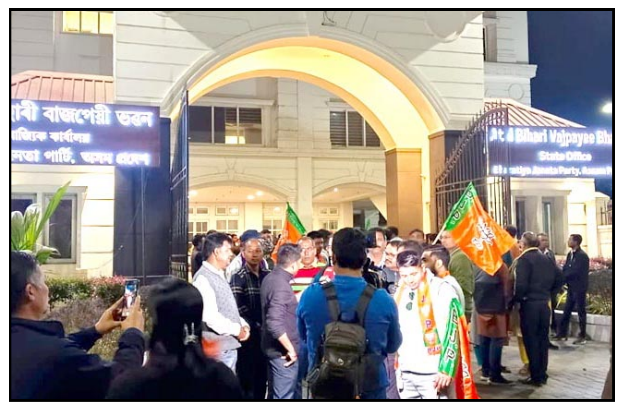

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास जताते हुए दिल्ली के मतदाताओं ने जो जनादेश दिया है, उसके लिए मैं वोटरों को हार्दिक अभिनंदन और कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। साथ ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देता हूं। दिल्ली में पार्टी की अभूतपूर्व जीत के बाद दिए गए एक बयान में उन्होंने कहा कि इस चुनाव में दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी के दोहरे चरित्र को पूरी तरह अस्वीकार कर दिया। उन्होंने कहा कि हमेशा भ्रष्टाचार विरोधी होने का दावा करने वाली केजरीवाल सरकार के कई मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त होकर जेल गए, जिससे *आप* का असली चेहरा बेनकाब हो गया। सैकिया ने कहा कि दिल्ली के मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की प्रगति पर विश्वास जताया और यह समय की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के विकास के लिए भाजपा के अलावा कोई विकल्प नहीं था, जिसे जनता ने भली-भांति समझ लिया। कांग्रेस पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी भी भाजपा का विकल्प नहीं हो सकती और दिल्ली के मतदाताओं ने इसे एक बार फिर साबित कर दिया।

असम के राज्यपाल ने प्राइड ईस्ट कॉन्क्लेव में भाग लिया

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज प्राइड ईस्ट कॉन्क्लेव 2025 में भाग लिया और प्रख्यात पत्रकार और संपादक सादिन अनुराधा शर्मा पुजारी को असमिया ऑफ द ईयर अवार्ड और वरिष्ठ गायक द्विपेन बरुआ को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया। प्राइड ईस्ट कॉन्क्लेव 2025, न्यूज लाइव की 17वीं वर्षगांठ और नॉर्थ ईस्ट लाइव की 7वीं वर्षगांठ के अवसर पर मनाया गया। इस अवसर पर न्यूज बांग्ला चैनल का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल श्री आचार्य ने प्राइड ईस्ट ग्रुप को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचने पर बधाई दी। उन्होंने प्राइड ईस्ट ग्रुप की सीएमडी रिनिकी भुयान शर्मा और उनकी टीम की 17 वर्षों की समर्पित पत्रकारिता के लिए सराहना की। उन्होंने लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले मुद्दों की व्यापक कवरेज के लिए न्यूज लाइव की सराहना की, जिससे असम के विकास में योगदान मिला और यह एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य बन गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्राइड ईस्ट ग्रुप ने न केवल असम की यात्रा पर रिपोर्टिंग की है, बल्कि राज्य के भविष्य को आकार देने में सक्रिय रूप से भाग लिया है। श्री आचार्य ने 2008 में अपनी स्थापना के बाद से प्राइड ईस्ट ग्रुप के प्रभावशाली विस्तार की भी सराहना की, जिसमें समूह की मीडिया में बढ़ती उपस्थिति और इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और डिजिटल मीडिया परिदृश्य में इसका योगदान शामिल है। उन्होंने असम की क्षमता और इसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति पर भी बात की, जो दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के चौराहे पर स्थित है, जो इसे आर्थिक अभिसरण का केंद्र बनाता

है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. श्री आचार्य ने कहा कि श्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कहा कि असम ने सभी क्षेत्रों, विशेषकर व्यापार, संपर्क और निवेश में अभूतपूर्व विकास किया है। राज्यपाल ने राज्य के समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, वैश्विक व्यापार क्षमता और नवीकरणीय ऊर्जा एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों में बढ़ती प्रमुखता पर भी जोर दिया। उन्होंने इन प्रगतियों की रिपोर्टिंग में प्राइड ईस्ट ग्रुप की भूमिका की सराहना की, जिससे असम के औद्योगिक और मानव विकास को आगे बढ़ाने में मदद मिली। इसके अलावा, श्री आचार्य ने सामाजिक कार्यों, साक्षरता प्रोत्साहन और विभिन्न सामाजिक आंदोलनों की वकालत के लिए मीडिया समूह के समर्पण की सराहना की। राज्यपाल ने पत्रकारिता में उच्च नैतिक मानकों को बनाए रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला तथा रिपोर्टिंग में ईमानदारी और निष्पक्षता का आह्वान किया। प्राइड ईस्ट ग्रुप अपने विभिन्न चैनलों और प्रकाशनों के माध्यम से पत्रकारिता की शक्ति को प्रसारित करते हुए आशा की किरण बन गया है, जिसमें समाज को आकार देने की क्षमता है। श्री आचार्य ने समूह को उसकी उल्लेखनीय यात्रा के लिए बधाई दी तथा भविष्य में भी उसके प्रयासों में सफलता की कामना की।

मुम्बई से भी बेहतर असम का कैंसर उपचार : अशोक सिंघल

कामरूप (हिंस)। देश में कैंसर देखभाल के क्षेत्र में असम अग्रणी राज्यों में से एक है। असम के सरकारी अस्पतालों में कैंसर का उतना ही उन्नत उपचार उपलब्ध है, जितना देश के किसी भी राज्य में नहीं, यहां तक कि मुंबई से भी बेहतर। शनिवार को उत्तर गुवाहाटी के भेटामुख में पूर्वोत्तर क्षेत्र के टाटा समूह के पहले स्क्रैब प्रोजेक्ट के उद्घाटन समारोह में उपस्थित होकर मंत्री अशोक सिंघल ने यह टिप्पणी की। उन्होंने परियोजना का शुभारंभ करते हुए टाटा समूह को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। यदि अस्पतालों में पर्याप्त दवाओं का भंडार नहीं पाया गया, तो स्वास्थ्य अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सामग्री ले जा रहे वाहन में लगी आग

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी में शनिवार की सुबह टाटा एसी गाड़ी (एएस-25सीसी-2245) में आग लगने से लाखों रुपए की खाद्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। हादसे में गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना राजधानी के गीतानगर थानांतर्गत गीता मंदिर के समीप घटी। अचानक लगी गाड़ी में आग से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में लाखों रुपए की खाद्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। यह घटना तब हुई जब आकाश ट्रेडिंग कंपनी का वाहन फटाशिल आमबारी की ओर से नूनमाटी इलाके में दुकानों में खाद्य सामग्री पहुंचाने के लिए जा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार यांत्रिक गड़बड़ी के चलते वाहन के इंजन में आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरे वाहन में फैल गई। हालांकि, समय रहते ड्राइवर वाहन से बाहर निकल गया। मौके पर पहुंची पुलिस वाहन को थाने ले गई। पुलिस मामले की जांच जारी रखे हुए है।

गड़चुक पुलिस ने प्रतिबंधित गोमांस से भरा वाहन किया जब्त, चालक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी की गड़चुक पुलिस ने प्रतिबंधित गोमांस के खिलाफ अभियान चलाकर करीब 13 क्विंटल गोमांस जब्त किया। पामोही दलबमा से एक एसी कंटेनर के साथ वाहन चालक को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि कोचबिहार से प्रतिबंधित गोमांस एक मैजिक वाहन में लाया गया था और पामोही दलबमा में जमा किया गया था। पुलिस ने एक गाड़ी (एमजेड 01एस 1818) को जब्त कर लिया। वाहन के चालक बिजन सिंह को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ जारी रखे हुए है। बड़े पैमाने पर कर चोरी कर यह प्रतिबंधित गोमांस मिजोरम भेजने की योजना थी। जब पामोही से ट्रक बाहर निकला, तभी पुलिस ने इसे जब्त कर लिया। गड़चुक पुलिस ने आईएसबीटी में गोमांस से भरे इस ट्रक को जब्त किया।

अजारा पुलिस ने चोरी का सामान बरामद कर चार आरोपी दबोचे

गुवाहाटी (हिंस)। अजारा पुलिस ने गढ़चुक स्थित एक कबाड़खाने से चोरी का सामान नौ घंटे के भीतर बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह सामान अजारा थाना क्षेत्र के श्री श्री दुर्गा मंदिर सभागार से चुराया गया था। असम पुलिस मुख्यालय द्वारा शनिवार को दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में दो उत्तर प्रदेश और दो असम के निवासी हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुधीर यादव (20, उत्तर प्रदेश), विकास यादव (20, उत्तर प्रदेश), राजू शेख (50, धुबड़ी, असम) और मिर्जान (45, बारपेटा, असम) के रूप में की गई है। पुलिस ने अमीनगांव स्थित शकील अहमद के कबाड़खाने पर भी छापा मारकर चोरी का और सामान बरामद किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेल महारण : जिला स्तरीय तैराकी खिलाड़ियों का चयन संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार की पहल पर राज्यभर में आयोजित खेल महारण 2 के अंतर्गत जल क्रीड़ा को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय तैराकी खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसी क्रम में कामरूप जिले के तैराकी खिलाड़ियों का चयन आज शुवालकुची में आयोजित किया गया। आज सुबह 10 बजे इस कार्यक्रम का शुभारंभ असम तैराकी संघ के प्रचार सचिव एवं कामरूप जिला तैराकी संघ के सचिव मुकुटेश्वर गोस्वामी ने किया। उद्घाटन भाषण में उन्होंने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा जल क्रीड़ा को दी गई। प्राथमिकता की सराहना किया। कार्यक्रम में कामरूप जिला खेल संघ के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. कार्तिक मेधा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कठोर अभ्यास करने का आह्वान किया। आज की चयन प्रक्रिया जिला खेल अधिकारी कार्यालय की देखरेख में पंकज भराली, असम तैराकी संघ के प्रतिनिधि मुकुटेश्वर गोस्वामी और अमिनेश हालोई द्वारा संचालित की गई। इस चयन प्रतियोगिता में कामरूप जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयनित खिलाड़ी 10 जनवरी को क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इसी तरह, गुवाहाटी सहित राज्य के सभी जिलों में खेल महारण के अंतर्गत तैराकी प्रतियोगिताएं असम तैराकी संघ के तत्वावधान में आयोजित की जा रही हैं। असम तैराकी संघ के सचिव भास्कर दास ने मुख्यमंत्री को खेल विभाग के माध्यम से जल क्रीड़ा को विशेष प्राथमिकता देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आनेवाले दिनों में असम के दूर-दराज के इलाकों की छिपी प्रतिभाएं ओलंपिक जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर असम को गौरवान्वित करने में सक्षम होंगी।

उपलब्धि

होजाई की बेटी मुम्पी दास को कृष्णा कांता हांडिक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय- (केकेएचएसओयू) द्वारा डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि से सम्मानित किया गया है, जिसका शीर्षक है *असम के चयनित पर्यटन स्थलों में आतिथ्य उद्योग के विशेष संदर्भ के साथ स्थानीय समुदायों की सतत आजीविका सृजन* है। उन्होंने कृष्णा कांता हांडिक राज्य मुक्त विवि-(केकेएचएसओयू) के सहायक प्रोफेसर डॉ. देवजीत गोस्वामी की देखरेख में अपना शोध किया। वह श्री गोपी कांता दास और श्रीमती सौदामिनी दास की बेटी हैं व कबिंद्र पॉल और बिथिका पॉल की बहू और हिलोल पॉल की पत्नी हैं।

एसएसबी के 24वें बाटालियन का नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी के कमांडेंट दीपक सिंह एवं एम्स गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक डॉ. अशोक पुराणिक के मार्गदर्शन में शनिवार को रंगिया स्थित वाहिनी अस्पताल प्रांगण में एक नि:शुल्क मानव चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स) गुवाहाटी की डॉ. कृष्णा प्रसाद विश्वास (सहायक प्रोफेसर, दंत चिकित्सा विभाग), डॉ. शरण माल्या (सहायक प्रोफेसर हड्डी रोग विभाग) एवं डॉ. रश्मी अग्रवाल (सहायक प्रोफेसर कम्यूनिटी मेडिसन), डॉ. जय किशोर (सहायक प्रोफेसर बाल रोग विभाग), डॉ. सुमित कुमार (सहायक प्रोफेसर जनरल सर्जरी) उपस्थित रहे। शिविर का शुभारंभ बल वाहिनीं के कमांडेंट दीपक सिहं द्वारा किया गया। बल वाहिनीं के सहायक कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. महेश चौधरी की देखरेख में आयोजित इस शिविर में अखिल भारतीय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स) गुवाहाटी के चिकित्सको की टीम द्वारा 24वीं वाहिनी व क्षेत्रक मुख्यालय एसएसबी रंगिया के बल कार्मिको एवं उनके परिवारजनो के स्वास्थ्य की जांच कर उचित स्वास्थ्य परामार्श दिए गए। शिविर में आम नागरिक भी शामिल हुए वहीं इस दौरान बल वाहिनीं के द्वितीय-कमान अधिकारी जसबीर सिंह और आम नागरिकों सहित बहुत से बल कार्मिक एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

गुवाहाटी में टाटा मोटर्स की नई वाहन स्क्रैपिंग फैसिलिटी : पर्यावरण संरक्षण की ओर बड़ा कदम!

हर साल 15,000 पुराने वाहनों का होगा पर्यावरण अनुकूल तरीके से निपटान-टाटा मोटर्स की विश्व स्तरीय स्क्रैपिंग सुविधा!

गुवाहाटी। भारत में वाणिज्यिक वाहनों के निर्माण में अग्रणी टाटा मोटर्स ने आज गुवाहाटी में अपनी नई वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (आरवीएसएफ) की शुरुआत की। इस अत्याधुनिक सुविधा को *रिसाइकिल विथ रेसपेक्ट* नाम दिया गया है, जो पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित स्क्रैपिंग प्रक्रियाओं को अपनाती है। यह केंद्र हर साल 15,000 से अधिक पुराने और अनुपयोगी वाहनों को सही तरीके से अलग करने और पुनर्नवीनीकरण करने की क्षमता रखता है। इस सुविधा का संचालन टाटा मोटर्स की सहयोगी कंपनी एक्जोम प्लेटिनम स्क्रैपर्स द्वारा किया जाएगा। यहां सभी ब्रांडों के यात्री और वाणिज्यिक वाहनों को जिम्मेदारी से स्क्रैप किया जा सकता है। यह टाटा मोटर्स की देश में ऐसी सातवीं सुविधा है, इससे पहले जयपुर, भुवनेश्वर, सूरत, चंडीगढ़, दिल्ली-एनसीआर और पुणे में भी ऐसी सुविधाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इस फैसिलिटी का उद्घाटन असम सरकार के मंत्री श्री जोगेन मोहन (पहाड़ी क्षेत्र विकास, परिवहन, सहयोग, स्वदेशी और जनजातीय आस्था एवं संस्कृति मंत्री) और अशोक सिंघल (स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं सिंचाई मंत्री) ने किया। इस मौके पर टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक गिरीश वाघ और एक्जोम ऑटोमोबाइल्स के निदेशक डॉ. संजीव नारायण भी उपस्थित थे। उनके साथ असम सरकार, टाटा मोटर्स और एक्जोम ऑटोमोबाइल्स के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस आयोजन का हिस्सा बने। उद्घाटन समारोह के दौरान पहाड़ी क्षेत्र विकास, परिवहन, सहयोग, स्वदेशी और जनजातीय आस्था एवं संस्कृति मंत्री जोगेन मोहन ने इस आधुनिक वाहन रिसाइक्लिंग सुविधा को राज्य और समुदायों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस फैसिलिटी से लोगों को नए रोजगार के अवसर मिलेंगे और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही, पुराने और अनुपयोगी वाहनों को सुरक्षित तरीके से स्क्रैप किया जा सकेगा, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और पर्यावरण को शुद्ध बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने असम में ऐसी स्मार्ट सुविधाओं की शुरुआत के लिए टाटा मोटर्स का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं सिंचाई मंत्री श्री अशोक सिंघल ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा

कि गुवाहाटी में टाटा मोटर्स की रिसाइकिल विथ रेसपेक्ट सुविधा की शुरुआत राज्य को अधिक स्वच्छ और हरित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह आधुनिक प्रणाली वाहनों के निष्पादन को पर्यावरण के अनुकूल बनाएगी, जिससे असम के लोगों को स्वच्छ हवा और बेहतर जीवन स्तर का लाभ मिलेगा। टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक श्री गिरीश वाघ ने इस अवसर पर कहा कि कंपनी ने पूर्वोत्तर भारत की पहली *रिसाइकिल विथ रेसपेक्ट* सुविधा गुवाहाटी में शुरू की है, जो वाहनों के जिम्मेदार निपटान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि टाटा मोटर्स चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और ऐसी प्रक्रियाओं को अपना रही है जो पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद करें। देश के सात राज्यों में आरवीएसएफ नेटवर्क के साथ अब कंपनी हर साल एक लाख से अधिक पुराने वाहनों का सुरक्षित निपटान करने में सक्षम है। उन्होंने इस सुविधा के संचालन में सहयोग के लिए एक्जोम प्लेटिनम स्क्रैपर्स के साथ साझेदारी पर गर्व जताया और इस पहल को सफल बनाने में राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। इस फैसिलिटी को पूरी तरह डिजिटल बनाया गया है, जिससे यहां वाहन निपटान की प्रक्रिया सुचारू और कागजरहित हो गई है। इसमें वाणिज्यिक और यात्री वाहनों के लिए क्रमश: सेल-टाइप और लाइन-टाइप डिसमेंटलिंग की सुविधा दी गई है। इसके अलावा, टायर, बैटरी, ईंधन, तेल, गैस और अन्य तरल पदार्थों को सुरक्षित रूप से अलग करने के लिए विशेष स्टेशन बनाए गए हैं। प्रत्येक वाहन की दस्तावेजीकरण प्रक्रिया सावधानीपूर्वक पूरी की जाती है और इसे यात्री वाणिज्यिक वाहनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यह आधुनिक प्रणाली सुनिश्चित करती है कि सभी घटकों का सुरक्षित निपटान किया जाए और यह पूरी प्रक्रिया वाहन स्क्रैपिंग नीति के अनुरूप हो। कुल मिलाकर, *रिसाइकिल विथ रेसपेक्ट* फैसिलिटी ऑटोमोबाइल उद्योग में पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

संपादकीय

आओ एक दीया जलाएं

आर्थिकी और विकास के गठजोड़ पर हिमाचल की सूरत सुधारने का एक बड़ा ख्वाब 'हिमाचल-2045 संगोष्ठी श्रृंखला' लेकर आ रही है। मनमोहन सिंह हिमाचल प्रदेश लोक प्रशासनिक संस्थान (एमएसएचआईपीए) के तत्वावधान में होने जा रही तीन दिवसीय संगोष्ठी में नीति दस्तावेज तैयार होगा। हिमाचल में थिंक टैंक की परिभाषा के प्रशासनिक स्वरूप को संवारने के लिए कुछ राष्ट्रीय हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है ताकि चर्चाओं के दौर में विकास का ग्रंथ लिखा जा सके। हिमाचल के ढर्रे को बदलने के लिए किश्तियां तो मिल जाएंगी, मगर दरिया में तैर चुके लोगों को पतवार थमाएं तो जानें। यानी प्रदेश की हकीकत का वर्तमान, जिन लोगों की साझी विरासत है, उनसे भी पूछा जाए कि टापू कहां है। हिमाचल के भविष्य में पर्यावरण चेतना, एक लाजिमी चरित्र है, लेकिन हमारी वकालत की जमीन पर जंगल खड़ा है। एक प्रदेश जिससे सत्तर फीसदी जमीन पर्यावरण के नाम पर छीन ली गई हो, उसके विकास, निजी निवेश, भविष्य के अधिकार, खेतीबाड़ी, बागबानी, उद्योग, बाजार, शहरी विकास, अधोसंरचना निर्माण और आवासीय सुविधाओं के लिए तीस फीसदी भूमि पर निर्वहन करना अति कठिन है। हिमाचल की भौगोलिक स्थिति का महज विकास से उत्थान नहीं होगा, यहां सामाजिक चरित्र और राजनीतिक परिदृश्य को बदलना पड़ेगा। हिमाचल ने विकास की चादर से पांव बाहर निकाले, तो कुछ ऐसा ढांचा बन गया जिसे ढोना मुश्किल है। दरअसल राष्ट्रीय नीतियों में पर्वत की पीड़ा ही दर्ज नहीं हुई। यह इसलिए कि पर्वतीय विकास मंत्रालय जैसा कोई स्वतंत्र विभाग नहीं बना। जम्मू-कश्मीर से अरुणाचल प्रदेश के पर्वतीय परिवेश तक को समझने के लिए अगर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के संदर्भ दिखाई देते, तो हर योजना का महत्त्व बढ़ जाता। मसलन पर्वतीय विकास के मानदंड पूरी तरह मैदानों से भिन्न और लागत में अधिक हैं। इसलिए यहां अलग तकनीक, पर्यावरण मैत्री विकास तथा जनसमस्याओं के समाधान की अलग दृष्टि चाहिए। अगर शिमला की ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए रोपवे परियोजना अब कहीं जाकर आकार ले रही है, तो इसी तरह की रूपरेखा में कितने ही अन्य शहर भी कदमताल कर सकते हैं। वाजपेयी सरकार ने हिमाचल को औद्योगिक पैकेज देकर इस राज्य को फार्मा हब की रूपरेखा में सुसज्जित कर दिया, तो राष्ट्र को पर्वतीय राज्यों के लिए सॉफ्ट प्रोफेशन, कनेक्टिविटी, पर्यावरण, जल एवं जलवायु पैकेजों के तहत चिन्हित करना होगा। हमारा विकास कंक्रीट का पहाड़ खड़ा करना तो नहीं है, फिर भी हिमाचल को पर्यटन, सांस्कृतिक, सूचना-प्रौद्योगिकी, खेल-साहसिक खेल, ट्राइबल, जैव विविधता, वन तथा जल राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। देश स्वीकार करे कि पानी, जलवायु, मौसम-चक्र और वनों के मार्फत हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्यों का राष्ट्रीय सम्मान होना चाहिए। बड़ी बांध परियोजनाओं के डूब क्षेत्र में उजड़े हिमाचली आज भी विस्थापन के मरुस्थल से लड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि हिमाचल की अपनी आर्थिक क्षमता नहीं है। देश भर के प्रवासी मजदूर, रेहड़ी-फड़ी, फेरीवाले तथा व्यापारी अगर यहां से कमाकर घर को पाल रहे हैं, तो हम ऐसी क्षमता के अनुरूप रोजगार की परवरिश नहीं कर पाए। दूसरी ओर पढ़ाई के जिस स्रोत से बच्चों ने डिग्रियां प्राप्त कीं, उसे संवारने का रोजगार राज्य में पैदा नहीं हुआ। अगर आधा दर्जन आईटी पार्क स्थापित कर लिए होते, तो रोजगार के साथ-साथ हमारी शहरी आर्थिकी को चार चांद लग जाते। आज भी हिमाचल का शहरीकरण रोजगार पैदा कर रहा है। रिटेल मार्केटिंग, ऑनलाइन मार्केटिंग और पर्यटन मार्केटिंग से ही निजी क्षेत्र में रोजगार बढ़ रहा है। ऐसे में इन क्षेत्रों के साथ-साथ निजी निवेश को प्रेरित करना होगा। हिमाचल के हर शहर के चारों छोर पर वन विभाग से बड़े-बड़े मैदानों के विकास की अनापत्ति चाहिए।

हिमाचल में थिंक टैंक की परिभाषा के प्रशासनिक स्वरूप को संवारने के लिए कुछ राष्ट्रीय हस्तियों को आमंत्रित किया जा रहा है ताकि चर्चाओं के दौर में विकास का ग्रंथ लिखा जा सके। हिमाचल के ढर्रे को बदलने के लिए किश्तियां तो मिल जाएंगी, मगर दरिया में तैर चुके लोगों को पतवार थमाएं तो जानें। यानी प्रदेश की हकीकत का वर्तमान, जिन लोगों की साझी विरासत है, उनसे भी पूछा जाए कि टापू कहां है। हिमाचल के भविष्य में पर्यावरण चेतना, एक लाजिमी चरित्र है, लेकिन हमारी वकालत की जमीन पर जंगल खड़ा है। एक प्रदेश जिससे सत्तर फीसदी जमीन पर्यावरण के नाम पर छीन ली गई हो, उसके विकास, निजी निवेश, भविष्य के अधिकार, खेतीबाड़ी, बागबानी, उद्योग, बाजार, शहरी विकास, अधोसंरचना निर्माण और आवासीय सुविधाओं के लिए तीस फीसदी भूमि पर निर्वहन करना अति कठिन है। हिमाचल की भौगोलिक स्थिति का महज विकास से उत्थान नहीं होगा, यहां सामाजिक चरित्र और राजनीतिक परिदृश्य को बदलना पड़ेगा। हिमाचल ने विकास की चादर से पांव बाहर निकाले, तो कुछ ऐसा ढांचा बन गया जिसे ढोना मुश्किल है।

चुनाव परिणाम के बारे में अध्ययन किया जाए तो यह ध्यान में आता है कि आम आदमी पार्टी का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने किया है

आम आदमी पार्टी की हार, भाजपा की सरकार

सुरेश हिंदुस्तानी

अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को ऐसी ही सफलता मिली, जिसे संभालने का राजनीतिक अनुभव उनके पास नहीं था। लोक लुभावन वादे एक निश्चित अवधि तक ही सुख का अनुभव करा सकते हैं, वह लम्बे समय तक सफलता का आधार नहीं बन सकता। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में लगभग यही दिखाई दिया। केजरीवाल को बिना लम्बे परिश्रम के सत्ता मिल गई, जिसे वे स्थायित्व नहीं दे सके। वे खुद भी चुनाव हार गए और उनके बाद आम आदमी पार्टी में दूसरे नंबर पर आने वाले नेता मनीष सिसोदिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा। दिल्ली राज्य में विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है।

कहा जाता है कि जिसको जल्दी सफलता मिलती है, वह उस सफलता को यथावत नहीं रख सकता। जिसको संघर्ष के बाद सफलता मिलती है, वह स्थायित्व को प्राप्त कर सकती है, क्योंकि संघर्ष करने से अनुभव आता है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को ऐसी ही सफलता मिली, जिसे संभालने का राजनीतिक अनुभव उनके पास नहीं था। लोक लुभावन वादे एक निश्चित अवधि तक ही सुख का अनुभव करा सकते हैं, वह लम्बे समय तक सफलता का आधार नहीं बन सकता। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में लगभग यही दिखाई दिया। केजरीवाल को बिना लम्बे परिश्रम के सत्ता मिल गई, जिसे वे स्थायित्व नहीं दे सके। वे खुद भी चुनाव हार गए और उनके बाद आम आदमी पार्टी में दूसरे नंबर पर आने वाले नेता मनीष सिसोदिया को भी पराजय का सामना करना पड़ा। दिल्ली राज्य में विधानसभा की तस्वीर लगभग साफ हो चुकी है। इसमें अब तक अपने आपको अपराजेय मान रही आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ी निराशा हाथ लगी है। भारतीय जनता पार्टी ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त करने के साथ ही सरकार बनने का रास्ता साफ कर दिया है। चुनाव परिणाम के बारे में अध्ययन किया जाए तो यह ध्यान में आता है कि आम आदमी पार्टी का सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस ने किया है। इससे विपक्ष का वोट विभाजित हो गया। इसका आशय यह भी है कि पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी को जो आशातीत समर्थन मिला, वह समर्थन केवल आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं के प्रति पूरा समर्थन नहीं था। कहा जाता है कि पिछले चुनाव में अगर कांग्रेस का अंदरूनी समर्थन नहीं होता तो आम आदमी पार्टी राजनीतिक आकाश में चमक नहीं बिखेर सकती थी। इस पर एक बात कहना बहुत ही आवश्यक है कि जो दूसरों की शक्ति से चमकते हैं, उनकी चमक लम्बे समय तक नहीं रहती। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की चमक ऐसी ही थी। जहां तक पंजाब में सरकार बनाने की बात है तो यही कहना समुचित होगा कि वहां चुनाव के समय दिल्ली की योजनाओं को प्रचारित किया गया, जिसका राजनीतिक लाभ आम आदमी पार्टी को मिला। दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणाम का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि इस बार अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस को आईना दिखाने के प्रयास में अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम किया है। अगर

अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस की बात मानकर गठबंधन कर लेते तो चुनाव परिणाम की तस्वीर कुछ और ही होती, लेकिन अरविन्द केजरीवाल का अहंकार ही उनको ले डूबा। हम जानते हैं कि एक बार आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि "मोदी जी दिल्ली में आम आदमी पार्टी को इस जन्म में तो आप हरा नहीं सकते"। ऐसी भाषा को सुनकर यही लगता है कि केजरीवाल को अहंकार हो गया था। दूसरी बड़ी बात यह है कि उन पर भ्रष्टाचार के बड़े आरोप लगे थे, इन सब आरोपों पर उन्होंने हमेशा भाजपा पर निशाना साधने का काम किया। जबकि यह सारा काम जांच एजेंसियों और सर्वोच्च न्यायालय ने किया। अरविन्द केजरीवाल को जेल भेजने का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय का था, लेकिन उनका आरोप भाजपा पर था। दिल्ली की जनता ने केजरीवाल की इस बात को झूंठ ही माना। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल इस तथ्य को भूल गए कि भारतीय जनता पार्टी का भी दिल्ली में व्यापक राजनीतिक प्रभाव है। लोकसभा के चुनाव में भाजपा को दिल्ली की सभी सीट प्राप्त होना, इसको प्रमाणित भी करता है। विधानसभा में भाजपा को भले ही कम सफलता मिली हो, लेकिन इससे भाजपा के राजनीतिक प्रभाव को नकारा नहीं जा सकता। बड़ी बात यह भी है कि भाजपा ने भी इस चुनाव को आम आदमी पार्टी की तर्ज पर ही लड़ा। भाजपा ने लोहे को लोहे से काटने की रणनीति पर काम किया, जिसमें भाजपा ने बाजी मार ली। दिल्ली के चुनाव में इस बार जिस प्रकार से आधुनिक संचार तकनीक का प्रयोग किया गया, उसने भी केजरीवाल की कथनी और करनी की भिन्नता को ही उजागर किया। केजरीवाल एक बात पर टिके दिखाई नहीं दिए। वे कभी कुछ तो कभी उसके विपरीत दिखाई दिए। यमुना साफ करने के नाम पर बार बार वादे करना आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के लिए भारी पड़ गया। यह बात सही है कि वादे करना सरल है, उनको पूरा करना उतना ही कठिन है। केजरीवाल जो वादे कर रहे थे, वे वही वादे थे, जो उन्होंने दस वर्ष पूर्व किए थे। उनमें से कई बड़े वादे अब तक पूरे नहीं किए जा सके। सबसे बड़ा वादा यमुना साफ करने का ही था। इसके अलावा भ्रष्टाचार समाप्त करने के नाम पर गठित आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल खुद ही भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की हवा खा चुके थे। हद तो तब हो गई, ज़ब वे अपनी सरकार को जेल से ही चलाने लगे। उधर उनको ज़मानत मिलने पर सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दिया कि केजरीवाल न तो मुख्यमंत्री कार्यालय में जा सकते हैं और न ही किसी फ़ाइल पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। केजरीवाल अभी भी आरोपी हैं, इसलिए उनका मुख्यमंत्री बनना असंभव ही था, क्योंकि अगर वे चुनाव जीतते तो बिना काम के मुख्यमंत्री ही रहते। ये सब भ्रष्टाचार के आरोप के कारण ही हुआ। वहीं दूसरी तरफ केजरीवाल के राजनीतिक गुरु के रूप प्रचारित समाजसेवी अण्णा हजारे इस चुनाव में केजरीवाल से रूठे से दिखाई दिए। इसको केजरीवाल के विरोधियों ने एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, जो सही निशाने पर जाकर लगा है। दिल्ली चुनाव के बारे में मतदान के बाद किए गए सर्वेक्षण परिणाम को पुष्ट करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि सर्वेक्षण कई बार गलत भी साबित हुए हैं, लेकिन इस बार का सर्वेक्षण सटीक होकर वही तस्वीर दिखा रहे हैं, जो उन्होंने देखा। इससे ऐसा लगता है कि अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी अपना स्वयं का परीक्षण करने में चूक गए। उनको लगता ही नहीं था कि उनकी पार्टी सत्ता से बाहर भी हो सकती है। आम आदमी पार्टी के सत्ता से बाहर होने के बारे में यह भी कहा जा रहा आम आदमी पार्टी को दूसरों ने कम उनके अपनों ने ही पराजित किया है। आम आदमी पार्टी के कई बड़े नेता इस बात से नाराज थे कि आतिशी मार्लेना को मुख्यमंत्री क्यों बनाया। जबकि आम आदमी पार्टी में इस पद के लिए कई दावेदार थे। अतः यह स्वाभाविक थी जो नेता राजनीतिक आकांक्षा को लेकर कार्य कर रहे थे, उनके सपनों पर पानी फिर गया।

दृष्टि कोण

आसान जिंदगी की चाहत और डिपोर्ट होना

बहुत बे-आबरू होकर तिरे कूचे से हम निकले...गालिब के इस शेर से उन डिपोर्ट किए गए भारतीयों का दर्द समझा जा सकता है जिन्हें अमरीका से भारत वापस भेजा गया है। अमरीका से निर्वासित किए गए 100 से ज्यादा भारतीय प्रवासियों को लेकर अमरीकी सैन्य विमान सी-17 ग्लोबमास्टर से वापस भारत भेजा गया है। इनमें 104 भारतीय शामिल हैं जिनमें 72 पुरुष, 19 महिलाएं और 13 बच्चे हैं। अमरीका में करीब 18 हजार प्रवासी भारतीय अवैध रूप से रह रहे हैं। इन्हें भी वापस भारत भेजा जाएगा। डंकी मार कर अमरीका तक पहुंचे प्रवासी भारतीयों का काफी कुछ लुट गया। इनके लाखों रुपए बर्बाद हो गए और अमरीका में बसने के सपने भी टूट गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध आप्रवासन का मुद्दा उठाया था। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत के दौरान अमरीका में रह रहे अवैध भारतीय आप्रवासियों को लेकर चिंता जताई थी। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि हमें उम्मीद है कि बिना दस्तावेज के अमरीका में रह रहे भारतीयों के संबंध में जो सही होगा, भारत वो कदम उठाएगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि भारत अवैध प्रवासन का समर्थन कतई नहीं करता। अवैध प्रवासन कई अवैध गतिविधियों से जुड़ा रहता है। यह हमारी प्रतिष्ठा के लिए ठीक नहीं है। जयशंकर ने कहा था कि अगर हमारा कोई नागरिक अमरीका में अवैध रूप से रहता हुआ पाया जाता है और उसका भारत का नागरिक होना पाया जाता है तो हम उसे कानूनी रूप से भारत वापस लाने की प्रक्रिया के लिए तैयार हैं। बीते कुछ दिनों से अमरीका दुनिया भर के देशों से आए और अमरीका में रह रहे अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई कर रहा है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाले हैं अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सबसे कठोर आप्रवासन नीति के मास्टरमाइंड स्टीफन मिलर। ट्रंप ने अपना दूसरा कार्यकाल जिस दिन संभाला, उसी दिन उन्होंने जिन कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए, उन पर मिलर के हस्ताक्षर पहले से मौजूद थे। इन आदेशों में थे- जन्मसिद्ध नागरिकता को खत्म करना और दक्षिणी सीमा पर राष्ट्रीय इमरजेंसी घोषित करना। नीतिगत मामलों के डिप्टी डायरेक्टर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में मिलर ने ट्रंप के आप्रवासन एजेंडे को लागू करने के लिए कई कार्यकारी आदेशों का मसौदा तैयार करने की अगुवाई की। इसमें अवैध प्रवासियों के आने पर रोक और अमरीकी धरती पर पहले से मौजूद रहने वालों को प्रत्यर्पित करने का वादा किया गया है। इन आदेशों में से एक है जन्म आधारित नागरिकता को खत्म करना। यह एक ऐसा कदम है जो अमरीकी संविधान के 14वें संशोधन में गारंटी दिए गए ऐतिहासिक अधिकार को नकारता है और इसे कोर्ट में चुनौती भी दी गई है। स्टीफन मिलर ट्रंपिज्म की सबसे कट्टर नीतियों के वास्तुकार ही नहीं हैं, बल्कि एक रणनीतिकार भी हैं, जिन्होंने इन्हें असरदार तरीके से लागू करने के दांवपेंच में महारत हासिल कर ली है। ऐसा बहुत कम होता है कि अमरीका में रह रहे अवैध आप्रवासियों को वापस उनके देश भेजने के काम में सेना को लगाया जाए, लेकिन ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में प्रवासियों को भेजने के मिशन में सेना का इस्तेमाल किया जा रहा है। दरअसल अमरीका में बसना एक ऐसा सपना है जिसे ज्यादातर लोग हकीकत में बदलना चाहते हैं, खासतौर पर अमरीकी जीवन शैली और सुविधाएं सभी को आकर्षित करती हैं। आकषर्ण का यही जाल मुसीबत का सौदा साबित होता है। जब वैध तरीके से अमरीका में प्रवेश नहीं मिलता तो डंकी रास्ते से घुसने की कोशिश की जाती है। बेरोजगारी की समस्या और खूब धन कमाकर अच्छी जिंदगी जीने की चाह कई भारतीय युवाओं को विदेश जाकर रोजगार तलाशने के लिए प्रेरित करती है। आंकड़े बताते हैं कि डंकी रूट से भारत से अमरीका जाने वालों की संख्या काफी है। विदेश जाकर बहुत सारा धन कमाने का सपना देखने वाले हजारों लोग हर साल डंकी रूट से अमरीका जाने का जोखिम उठाते हैं। डंकी रूट एक ऐसा जोखिम है जिसमें हर कदम पर परेशानी ही परेशानी है और कई बार मौत का भी सामना करना पड़ता है। अमरीकी सीमा पार करने के लिए लोगों को कई महीनों तक लंबी यात्रा करनी पड़ती है। मानव तस्कर इस रूट में संचालक की भूमिका में होते हैं, जो अवैध रूप से देशों की सीमाएं लांघने में मदद के बदले लोगों से अच्छी खासी रकम लेते हैं। कई बार यह रकम 50 से 85 लाख रुपए तक होती है। अमरीका में डॉलर में धन कमाकर भारत पैसा भेजने वाले लोगों के घर अलग से पहचाने जाते हैं। कई परिवारों के लिए उनके किसी सदस्य का अमरीका में होना स्टेटस माना जाता है।

कुछ अलग

सरकार का स्टैंड

एक सरकार होती है और एक सरकार का स्टैंड होता है। जब सरकार स्टैंड लेती है तो पब्लिक को पता चलता है कि वाकई ही सरकार नाम की कोई चीज है जिसने स्टैंड लिया है। अगर सरकार स्टैंड नहीं लेती तो पब्लिक को कंफ्यूजन हो जाती है कि वाकई कोई सरकार है भी या नहीं या फिर सब कुछ रामभरोसे ही चल रहा है। लोकतंत्र में सरकार का स्टैंड लेना बहुत जरूरी है। स्टैंड लेते रहने से सरकार की थकी हुई मांसपेशियों में रक्त का संचार थोड़ा तेज हो जाता है। सरकार दिखने लगती है। सरकार का दिखना बहुत महत्वपूर्ण है। और सरकार तब दिखती है जब वह स्टैंड लेती है। सरकार का स्टैंड लेना भी एक कला है। इसे साधारण लोग समझ नहीं सकते। स्टैंड कभी सडक़ों पर लिया जाता है, कभी संसद में, तो कभी मीडिया में बयान देकर। कभी-कभी सरकार का स्टैंड इतना परिपक्व होता है कि विपक्ष भी भ्रमित हो जाता है कि इस स्टैंड का विरोध कैसे किया जाए। सरकार कहती है, 'हमने किसानों के लिए स्टैंड लिया', लेकिन किसान कहते हैं, 'यह स्टैंड हमारे खिलाफ क्यों लग रहा है?' सरकार के स्टैंड का गहराई से अध्ययन किया जाए तो पता चलता है कि यह फेविकोल के जोड़ से भी मजबूत होता है। चाहे जनता लाख प्रदर्शन कर ले, चाहे संसद ठप हो जाए, सरकार का स्टैंड चट्टान की तरह अडिग रहता है। सरकार का स्टैंड लेना सिर्फ एक निर्णय नहीं, बल्कि एक तरह का जादू है। यह जादू ऐसा है कि कभी-कभी जनता इसे समझने के लिए तर्क-वितर्क में उलझ जाती है। सरकार महंगाई बढ़ा देती है, और कहती है, 'हमने देश के विकास के लिए स्टैंड लिया।' जनता यह समझने में उलझ जाती है कि विकास महंगाई के बिना क्यों नहीं हो सकता? सरकार के स्टैंड की तरह सरकार के भीतर बैठे नेता भी अपने-अपने स्टैंड रखते हैं। एक नेता कहता है, 'हम गरीबों के लिए काम कर रहे हैं', लेकिन गरीब सोचता है, 'यह काम हमें और गरीब बनाने का है या अमीरों को और अमीर बनाने का?' दूसरे नेता कहते हैं, 'हम रोजगार ला रहे हैं', लेकिन युवाओं को सिर्फ वादों का रोजगार मिलता है। इन सबके बीच पब्लिक हमेशा यह देखती रहती है कि सरकार का अगला स्टैंड क्या होगा। यह जानना पब्लिक के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना सुबह उठकर यह जानना कि दूध वाला आएगा या नहीं। पब्लिक की समस्याएं महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी होती हैं, लेकिन सरकार का स्टैंड इन समस्याओं से इतर होता है। सरकार कहती है, 'हम डिजिटल इंडिया बना रहे हैं', जबकि पब्लिक कहती है, 'पहले गांव में बिजली तो लाओ।' सरकार का स्टैंड गिरगिट की तरह रंग बदलने में माहिर होता है। जब विपक्ष सरकार को घेरता है, तो सरकार कहती है, 'हमने सही स्टैंड लिया है।' जब जनता विरोध करती है, तो सरकार अपने स्टैंड को 'जनहितकारी' बता देती है। स्टैंड के बिना सरकार की पहचान अधूरी रहती है। सरकार के स्टैंड का तकनीकी पक्ष भी है। जब सरकार कोई बिल पास करती है, तो वह इसे 'देश हित' का स्टैंड बताती है। जब यह बिल वापस लिया जाता है, तो इसे 'जन हित' का स्टैंड कहा जाता है। ऐसे में जनता समझ नहीं पाती कि असली स्टैंड क्या है। सरकार का स्टैंड लेना सिर्फ एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। यह स्टैंड जनता के लिए हो या न हो, लेकिन सरकार के अस्तित्व के लिए जरूरी है।

देश दुनीया से

जनता क्यों वंचित है वनाधिकारों से?

हिमाचल प्रदेश में सरकारें वन अधिकार कानून 2006 को लागू करने के मामले में काफी दुविधा में रही हैं और जो कानून 2008 में अधिसूचित हो गया, उसे लागू करने की प्रक्रिया 2012 में शुरू कर पाई। पहले तो सरकार यह कहती रही कि यह कानून हिमाचल में लागू ही नहीं होता। फिर कई सामाजिक संस्थाओं ने इसके बारे में केंद्र सरकार से स्पष्टता के लिए आग्रह किया और वहां से निर्देश प्राप्त करने के बाद सरकार कानून को लागू करने के लिए तैयार हुई, किन्तु केवल जनजातीय क्षेत्रों के लिए। फिर कानून से संबंधित अन्य परंपरागत वनवासी शब्द पर जानकारी केंद्र सरकार से प्राप्त करके हिमाचल सरकार से आग्रह किया गया कि पूरा हिमाचल अन्य परंपरागत वनवासी की श्रेणी में आता है और यहां के वासी अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर करते हैं। तब जाकर गैर जनजातीय क्षेत्रों में भी सरकार ने कानून को लागू करने का काम शुरू करने की घोषणा की। किन्तु इसकी प्रक्रिया का पहला कदम, वन अधिकार समितियों का राजस्व मुहल स्तर पर गठन करके प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं किया। कुछ एक स्वयंसेवी संस्थाओं ने दावे भरने की जटिल प्रक्रिया को कुछ क्षेत्रों में वन अधिकार समितियों को सिखा कर काम आगे बढ़ाने का जिम्मा उठाया ताकि यह प्रक्रिया प्रदर्शित करने और अन्य वन अधिकार समितियों तक सरकार को प्रशिक्षण कार्य आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा सके और जहां जरूरी हो वहां सहयोग भी दिया जा सके। किन्तु सरकार इस दिशा में कुछ भी करने से बचती रही, जैसे कि इस कानून को लागू करना स्वयंसेवी संस्थओं की ही जिम्मेदारी हो। इस कानून के तहत ब्रिटिशकालीन वन कानूनों द्वारा ऐतिहासिक शोषण की बात स्वीकार की गई और उसे दुरुस्त करने का प्रयास करने की बात कही गई। इस कानून के तहत वनों पर निर्भर जनजातीय और अन्य परंपरागत वनवासी समुदायों को मुख्यतः तीन तरह के अधिकार देने की बात कही गई। एक, जनवरी 2005 से पहले यदि कोई वनवासी वन भूमि पर अपनी आजीविका के लिए खेती कर रहा है, या आवास और पशुशाला बना कर वन भूमि का प्रयोग कर रहा है तो उस भूमि पर उसे प्रयोग का अधिकार देना। दूसरा, वन भूमि से जिन बरतनदारी अधिकारों का उपयोग अपनी आजीविका जरूरतों के लिए कर रहा है, उनको कानूनी मान्यता देना। और तीसरा बरतनदारी वाले वनों में प्रबंधन में भूमिका देना। इसके अतिरिक्त स्थनीय जरूरतों के तेरह कामों के लिए एक हेक्टेयर तक वन भूमि के उपयोग को बदलने की सहमति और संस्तुति देकर वन मंडलाधिकारी के स्तर पर ही वन भूमि के प्रयोग में बदलाव करवा लेना, ताकि स्थानीय विकास कार्यों के लिए वन संरक्षण अधिनियम 1980 की लंबी प्रक्रिया से बचा जा सके, जिसके अंतर्गत वनभूमि के उपयोग में बदलाव की स्वीकृति केंद्र सरकार के स्तर पर वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से लेनी पड़ती है जो बहुत ही कठिन प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही संभव हो पाता है। इतने जनहित के लिए उपयोगी प्रावधानों और हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेश के लिए जरूरी प्रावधानों वाले कानून को लागू करने में सरकार लंबे समय तक निषक्रियप्रायः ही बनी रही। आज दिन तक कुछ दावे जनजातीय क्षेत्र में ही स्वीकृत हो सके हैं और अन्य परंपरागत क्षेत्रों के मामूली दावों को ही स्वीकृति मिली है, जिनकी संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती है, जबकि यह काम तो दो-ढाई लाख परिवारों से संबंधित है। जो भी प्रगति हुई है, उसमें भी दावे भरवाने का काम स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किया गया है। असल में इस कानून को लागू करवाने की जिम्मेदारी किसकी है? क्या सरकार इस जिम्मेदारी से बच सकती है? अगर नहीं तो सरकार को तत्काल इस दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य शुरू करना चाहिए। पूरे प्रदेश में इस काम को करने की सामर्थ्य सरकार के सिवा किसी के पास नहीं हो सकती। इस कानून के लिए दावे प्रपत्र भर कर वन अधिकार समिति के माध्यम से दावे उपमंडल स्तरीय समिति के पास जाएंगे, वहां से पारित होकर जिला स्तरीय समिति के पास जाएंगे, जहां दावों की सत्यता की जांच करके उन्हें मंजूर किया जाएगा। दावे प्रपत्र भरने की प्रक्रिया भी काफी तकनीकी है जो उचित प्रशिक्षण के बिना संभव नहीं है। जब इस सारी प्रक्रिया और कानून के प्रावधानों का लोगों को कानों-कान पता ही नहीं हो तो कैसे उम्मीद की जा सकती है कि दावे भरे जाएंगे। इस कमी का फायदा उठा कर कुछ जगहों पर पंचायत सचिवों से यह प्रमाणपत्र लेने के भी प्रयास किए गए हैं कि कोई भी दावा प्राप्त नहीं हुआ। जब तक बताया ही नहीं गया, तब तक दावे भरने कौन आ सकता था। इन तमाम खेलों से लगता है कि सरकारें इस कानून को टालमटोल से लटका कर निपटा देना चाहती हैं। इस पर जो सबसे चिंता की बात हुई, वह है माननीय उच्च न्यायालय द्वारा तमाम अवैध कब्जों को सख्ती से बेदखल करने के आदेश। हैरानी की बात है कि ये आदेश वन अधिकार कानून पास होने के पहले के कानूनों के आधार पर दिए गए हैं और प्रदेश सरकार ने वन अधिकार कानून की बात तक न्यायालय में नहीं रखी, जिसमें स्पष्ट प्रावधान है कि जब तक वन अधिकार कानून के दावों का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक किसी को भी अवैध कब्जाधारक बता कर बेदखल नहीं किया जा सकता। हम हिमाचल सरकार से यह आग्रह करते हैं कि माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष यह तथ्य रखे ताकि न्यायालय इस तथ्य का संज्ञान ले सके और पूरे प्रदेश में युद्ध स्तर पर दावे भरवाने का कार्य शुरू करे। यह हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य के लिए कितना जरूरी है, यह इसी बात से समझा जा सकता है कि यहां केवल 9-10 प्रतिशत ही कृषि भूमि है, जिस पर इतनी बड़ी आबादी का गुजर-बसर हो पाना संभव नहीं है। इसी कारण लोगों को मजबूरी में कुछ वन भूमि पर अपनी निर्भरता बनानी पड़ी है। वैसे भी प्रदेश में राजस्व भूमि का प्रावधान इसीलिए किया गया था कि बढ़ती आबादी और विकास की जरूरतों के लिए भूमि उपलब्ध की जा सके। हिमालय में पर्यावरण की दृष्टि से वनों का प्रबंधन करने की जरूरत है।

आप का नजरीया

अवैध प्रवासी 'आतंकी' नहीं

अमरीका ने 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस भेजा है। वायुसेना के विमान के बजाय सामान्य यात्री विमान से उन्हें भेजा जा सकता था, क्योंकि सैन्य विमान का हमारी सरजमीं पर उतरना देश की संप्रभुता के खिलाफ है। भारत सरकार ने यह समझौता क्यों किया? अमरीका में अवैध भारतीयों की संख्या करीब 7 लाख बताई जाती है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप का प्रशासन सभी को भारत वापस भेजना चाहेगा, तो पूरी कवायद में 10 साल लगेंगे। यह विशेषज्ञों का आकलन है। कानूनी औपचारिकताएं अलग हैं। अभी तक अमरीका में बिना वैध दस्तावेज वाले 20,407 भारतीयों को ही चिह्नित किया जा सका है। वे सभी अवैध प्रवासी हैं। वे अंतिम 'बेदखली आदेश' का इंतजार कर रहे हैं। उनमें से 17,940 भारतीय ऐसे हैं, जो बाहर में घूम-फिर रहे हैं। हालांकि कइयों के पैरों में 'डिजिटल ट्रैकर' लगाए गए हैं, लिहाजा उनकी लोकेशन पर 'इमिग्रेशन एंड कस्टम एनफोर्समेंट' (आईसीई) चौबीसों घंटे निगाह रखती है। उधर 2467 अवैध भारतीय प्रवासी 'हिरासत केंद्र' में कैद हैं। उनमें से ही 104 को भारत वापस भेजा गया है। ऐसे अवैध प्रवासियों को 2009 से ही वापस भेजा जा रहा है, लेकिन जिस तरह सैन्य विमान से हथकड़ी बांध कर और पांवों में बेडियां पहना कर इन भारतीयों को वापस लाया गया है, वह 'अमानवीय' कृत्य है और आतंकियों के साथ किए गए व्यवहार सरीखा है। अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस छोड़ कर आना अमरीका की सरकारी नीति है, लेकिन प्रवासियों को लाते हुए ऐसा पाशविक व्यवहार क्यों किया गया? आज आम भारतीय यह सवाल पूछ रहा है और भारत-अमरीका संबंधों की सच्चाई जानना चाहता है। भारत अमरीका का मित्र-देश है, सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है, क्या ऐसे देश के मूल नागरिकों के साथ अमानवीय व्यवहार करना उचित है? विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने राज्यसभा में वक्तव्य देकर लीपापोती की कि अब तक 15,756 अवैध भारतीय प्रवासी भारत लौटे हैं। यह सिलसिला कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी जारी था और मौजूदा सरकार के कालखंड में भी लगातार हर साल ऐसे भारतीय लौटे हैं। क्या विदेश मंत्री का इतना आश्वासन ही पर्याप्त है कि भारत सरकार ट्रंप प्रशासन के लगातार संपर्क में है और आग्रह कर रहे हैं कि भारतीयों के संग ऐसा दुव्र्यवहार न हो। सवाल हथकड़ी-बेडियों वाले अमानवीय सलूक का है, जो हरेक आतंकवादी के साथ भी नहीं किया जाता। यदि कोलंबिया जैसे छोटे देश का राष्ट्रपति लाल आंखें दिखा कर अमरीकी विमान के उतरने से साफ इंकार कर सकता है, तो भारत जैसा मजबूत और विराट देश क्यों नहीं कह सका कि हम अपना विमान भेजकर ऐसे भारतीयों को वापस ले आएंगे? इस 'आंख से आंख मिलाने वाली' नीति से कूटनीति का कहां नुकसान हो रहा था? विदेश मंत्री अमरीकी दुव्र्यवहार का खंडन नहीं कर पाए और न ही संसद में निंदा कर पाए।

दिल्ली चुनाव परिणाम से बदलेगी पंजाब की राजनीति

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने की हरियाणा के सीएम नायब सैनी से मुलाकात

चंडीगढ़ (हिंस)। दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना जारी है। शुरूआती रूझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बढ़त बनाए हुए हैं और आम आदमी पार्टी (आआपा) सत्ता से बाहर होती दिख रही है। इस बदले चुनाव परिणाम का सीधा असर पंजाब की राजनीति पर भी पड़ेगा। दिल्ली व हरियाणा के बाद भाजपा का अगला लक्ष्य अब पंजाब है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव परिणाम का एलान होने से पूर्व शनिवार को पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह चंडीगढ़ पहुंचे और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की। यह मुलाकात सीएम आवास में करीब आधा घंटा चली। दोनों के बीच दिल्ली में बदले नतीजों के साथ पंजाब के राजनीतिक हालातों पर चर्चा की गई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी भी पिछले दिनों पंजाब भाजपा कार्यालय का दौरा करके पंजाब में चल रहे सदस्यता अभियान का रिव्यू कर चुके हैं। पंजाब में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। यहां पार्टी पहले से ही अंदरूनी विद्रोह झेल रही है। अकाली दल के साथ गठबंधन करके भारतीय जनता पार्टी कई बार सत्ता सुख भोग चुकी है, लेकिन कृषि कानूनों के मुद्दे पर अकाली दल से अगल होने के बाद भाजपा पंजाब की राजनीति में पूरी तरह से उबर नहीं पाई है। वहीं पंजाब में जीत के बाद आम आदमी पार्टी को देश की राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला था। इस समय पंजाब में भाजपा का नेतृत्व सुनील जाखड़ कर रहे हैं। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य की जालंधर तथा लुधियाना लोकसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी दूसरे नंबर पर रहे थे। इसके अलावा तीन सीटों पर भाजपा प्रत्याशी तीसरे नंबर पर रहे थे। लोकसभा चुनाव में भाजपा को किसी भी सीट से जीत नहीं मिली, लेकिन विधानसभा वार अगर आंकलन किया जाए तो भाजपा को लोकसभा में 22 विधानसभा सीटों पर जीत मिली थी। भाजपा ने पंजाब में लोकसभा चुनाव के दौरान वोट शेयर में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई, जो 2019 में 6.6 प्रतिशत से बढ़कर इस हालिया चुनावी मुकाबले में 19 प्रतिशत हो गई। लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को केवल तीन, कांग्रेस को सात, अकाली दल को एक तथा निर्दलीयों को दो सीट पर जीत मिली। अब दिल्ली में शनिवार को आने जा रहे चुनाव परिणाम के बाद पंजाब सरकार पर दबाव बढ़ेगा। महज तीन साल के कार्यकाल के दौरान पार्टी यहां आधा दर्जन से अधिक मंत्रियों को बदल चुकी है। जिस वीआईपी कल्चर को पंजाब में मुद्दा बनाया गया था आज उसी मुद्दे पर विपक्ष सरकार को घेर रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पहले ही प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को सौंप चुके हैं। राज्य में महिलाओं को एक हजार रुपये प्रति माह देने जैसे कई वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। इसके अलावा प्रदेश में कानून-व्यवस्था बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पंजाब के कांग्रेस विधायक की चीनी मिलों और डिस्टलरी में आयकर की कार्रवाई जारी

मुरादाबाद (हिंस)। पंजाब के कपूरथला से कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह से जुड़ी मुरादाबाद जिले की दो चीनी मिलों और डिस्टलरी फैक्टरी में शनिवार को भी आयकर विभाग कार्रवाई जारी रही। तीनों स्थानों पर दस्तावेजों को खंगालने के साथ आयकर अधिकारी कारोबार का मूल्यांकन कर रहे हैं। जांच टीमों ने मिल के अधिकारियों के मोबाइल बंद करा दिए। आयकर अधिकारियों ने फैक्टरी के अधिकारियों से दस्तावेजों को लेकर पूछताछ जारी हैं। आय-व्यय का ब्योरा इकट्ठा करने में अधिक समय लग रहा है। जांच को लेकर आयकर विभाग के स्थानीय अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है। राणा ग्रुप की उत्तराखंड के बाजपुर फार्म हाउस के साथ ही मुरादाबाद जिले के भोजपुर क्षेत्र बेलवाड़ा और बिलारी में चीनी मिलें हैं। इसके अलावा करीमगंज बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड रानी नगर, सरदार नगर में डिस्टलरी फैक्टरी है। दो दिन पूर्व गुरुवार सुबह पांच बजे दिल्ली से आई आयकर विभाग की टीमों ने अर्ध सैनिक बलों के साथ बेलवाड़ा, बिलारी चीनी मिल और करीमगंज शराब फैक्टरी में छापा मारा तो हड़कंप मच गया। टीमों ने फैक्टरी के अधिकतर कर्मचारियों को बाहर निकाल कर परिसर को सील कर दिया। मुख्य द्वार पर सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ के जवान मुस्तैद हैं। कार्रवाई के दौरान फैक्टरियों के बाहर सन्नाटा पसरा हुआ है। हालांकि मिल में किसानों के गन्ने की तौल और पेराई का काम जारी है। कोई अधिकारी कुछ भी बताने के लिए तैयार नहीं है। सूत्रों का दावा है कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में छापा मारा गया है। इसी कारण आयकर अधिकारी कारोबार के साथ प्रत्येक सामान का मूल्यांकन कर रहे हैं। टीम ने तीनों स्थानों से अहम दस्तावेजों को जब्त किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, टीम में शामिल अधिकारियों ने मैली की ट्रॉली भेजने वाले कर्मचारियों को शुक्रवार को कच्ची रसीदों के साथ मौके पर पकड़ लिया। जिस पर आयकर अधिकारियों ने जिम्मेदारों को तलब कर लिया और इस बारे में पूछताछ की। पता चला कि मैली की ट्रॉली निकलने पर जीएसटी की पक्की इनवॉइस होनी चाहिए, लेकिन कच्ची रसीदों से ही मैली की ट्रॉलियों को बाहर भेजा जा रहा था। इसके बाद जीएसटी की इनवॉइस बनाई गई। राणा शुगर मिल में आयकर अधिकारियों की कई टीमों ने बृहस्पतिवार तड़के पांच बजे दिल्ली से आकर शुगर मिल में छापा मारा था।

गौ आधारित प्राकृतिक खेती से संभव है दस गुणा आय : गुप्ता

जयपुर (हिंस)। औषधीय पादपों की गौ आधारित प्राकृतिक एवं व्यावसायिक कृषि का निशुल्क दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शनिवार को टोंक रोड सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला के जैविक वन औषधीय पादप केंद्र में शुरू हुआ। इसमें प्रदेश के कई किसान और पशुपालक शामिल हुए। भगवान काल भैरव की पूजा-अर्चना के साथ शिविर का विधिवत उद्घाटन हुआ। अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अंतर्राष्ट्रीय संयोजक तथा इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस एग्रीकल्चर स्किल डवलपमेंट के चौयरमेन डॉ. अतुल गुप्ता ने मुख्य वक्ता के रूप में कहा कि किसानों को खतरनाक रसायनों से खेती बंद कर गौ आधारित प्राकृतिक खेती का मॉडल अपनाना चाहिए। यह हमारे देश और प्रदेश का सर्व सुलभ मॉडल है। इससे किसानों की आय दोगुनी नहीं दस गुनी हो जाएगी। ऐसा हो रहा है। इसलिए किसान देसी नस्ल की गायों का पालन करें। यह नहीं समझे कि गाय को केवल दूध देने तक सीमित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने की बात करते है। अनेक योजनाएं शुरू की है। किसान भाइयों को इसका लाभ उठाना चाहिए। मोनिका गुप्ता ने किसानों को औषधियों की व्यावसायिक खेती से लेकर सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता की जानकारी दी।

जनता की उम्मीदों, आकांक्षाओं और विश्वास का परिणाम है दिल्ली की जीत : मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत को जनता की उम्मीदों, आकांक्षाओं और विश्वास का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा है कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओ की मेहनत का नतीजा है। दिल्ली की जनता ने झूठे वादे करने और आश्वासन देने वालो को कड़ा जवाब दिया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता के विवेक, साहस और संकल्प की जीत है। लंबे समय से दिल्ली की जनता एक ईमानदार और विकासोन्मुख सरकार की प्रतीक्षा कर रही थी, और आखिरकार उन्होंने भाजपा को सत्ता सौंपकर उस इंतजार को समाप्त किया। यह जनता की जीत है जिसने अपने भविष्य के लिए सही निर्णय लिया है, और यह फैसला दिल्ली को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। मदन राठौड़ ने इस जीत को दिल्ली के जन-जन की आशाओं और आकांक्षाओं की जीत करार दिया, जिनकी आवाज़ को बरसों से अनसुना किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह जीत उस *महाठग कंपनी* से आजादी की जीत है जिसने बरसों तक दिल्ली की जनता को छलने का काम किया। आम आदमी पार्टी (आप) और अरविंद केजरीवाल की सरकार ने केवल वादे किए, लेकिन उनके शासन में दिल्लीवासी भ्रष्टाचार, घोटालों और असफलताओं के जाल में फंसते चले गए। जनता ने अपने विवेक से उस ठग व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंका है, और अब दिल्ली एक नई दिशा में आगे बढ़ने को तैयार है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केवल नारों और भाषणों के बल पर नहीं, बल्कि अपने कामों और नीतियों से जनता का दिल जीता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्लीवासियों ने विकास और प्रगति की दिशा में जो कदम बढ़ाया है, वह केवल एक शुरुआत है। दिल्ली अब विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। उन्होने बताया कि अब यमुना नदी की सफाई का कार्य तेजी से शुरू किया जाएगा और यह मुद्दा भाजपा सरकार की प्राथमिकता में रहेगा। केजरीवाल सरकार ने यमुना की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं हुआ। अब दिल्ली के लोग भाजपा के नेतृत्व में देखेंगे कि कैसे वास्तविक कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि राजनीति का शुद्धीकरण शुरू हो चुका है। एक बेईमान सरकार को हटाकर दिल्ली की जनता ने ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा को प्राथमिकता दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता की मेहनत की कमाई को अपना महल बनाने में लगा दिया। अब जबकि सरकार बदल चुकी है, जनता के पैसे का हिसाब होगा और शीश महल का भविष्य तय किया जाएगा। यह संभव है कि इसे या तो जनता के हितकारी कार्यों में उपयोग किया जाए या इसे ध्वस्त कर दिया जाए। भ्रष्टाचारियों के लिए जेल ही एकमात्र जगह होगी और उन्हें जनता के पैसों का पूरा हिसाब देना होगा। मदन राठौड़ ने यह भी जोर दिया कि आम आदमी पार्टी के नेताओं ने लंबे समय तक झूठे आरोप लगाकर जनता को भ्रमित किया।

लिव इन में रह रही महिला को पुलिस सुरक्षा देने के आदेश

जोधपुर (हिंस)। लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली एक महिला को हाईकोर्ट ने पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करवाने के आदेश जारी किए है। उसे पति ने घर से निकाल दिया था। इसके बाद वह प्रेमी के साथ लिव इन में रहने लग गई। परिजनों के डर से राजस्थान हाईकोर्ट में सुरक्षा की गुहार लगाई थी। चित्तौड़गढ़ निवासी लक्ष्मी प्रजापत और छोटू सिंह ने राजस्थान हाईकोर्ट में एडवोकेट निखिल भंडारी के मार्फत प्रार्थना पत्र पेश कर बताया कि वह आपस में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे है लेकिन लक्ष्मी के पति व ससुराल पक्ष वालों से उन दोनों को जान व माल का खतरा लगातार बना हुआ है। लक्ष्मी का पति रोजाना शराब पीकर उसके साथ गाली-गलौच व मारपीट करता था। लक्ष्मी के अपने पहले पति से दो बच्चे हैं, जो अभी उसके पति के साथ ही रह रहे हैं। हाईकोर्ट में उन दोनों के एडवोकेट निखिल भंडारी ने बहस करते हुए यह बताया कि चित्तौडगढ़ पुलिस अधीक्षक को यह आदेश दिया जाए कि वे लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले इन प्रेमी प्रेमिका को पुलिस सुरक्षा प्रदान करावे। एडवोकेट निखिल भंडारी ने हाईकोर्ट के सामने यह भी बहस की कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में सभी नागरिकों को जीवन जीने तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मूलभूत अधिकार प्राप्त हैं और किसी के द्वारा भी इसका उल्लंघन व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का हनन हैं। न्यायाधीश जस्टिस फरजंद अली ने सुनवाई करते हुए लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले प्रेमी प्रेमिका को पुलिस सुरक्षा प्रदान करने का आदेश पारित किया।

भाजपा की जीत पर काशी में मुस्लिम महिलाओं ने मनाया जश्न

वाराणसी (हिंस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में मुस्लिम महिलाओं ने भी जश्न मनाया। शनिवार को विशाल भारत संस्थान एवं मुस्लिम महिला फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जुटी मुस्लिम महिलाओं ने लमही स्थित सुभाष भवन में जीत की खुशी में बैंड बाजा बजा अनार जलाया। महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी के पोस्टर के साथ मोदी जिन्दाबाद के नारे भी लगाए। इस अवसर पर संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजीव ने कहा कि दिल्ली में अराजकता पैदा कर रखा था। रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को बसाने वाले और पूर्वांचल के लोगों को बाहरी बताने वालों को दिल्ली की जनता ने सबक सिखाया है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों और नीतियों पर भरोसा कर दिल्ली वालों ने देश को बचाने का काम किया है। कभी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने दिल्ली चलो का नारा दिया था, तब अंग्रेजों से मुक्ति चाहिए थी। इस बार मोदी ने दिल्ली जीतो का नारा देकर रोहिंग्या समर्थकों और बांग्लादेशियों के समर्थकों से दिल्ली को खाली करा लिया। यह भारत की जीत है। कार्यक्रम में डॉ. नजमा परवीन, डॉ. अर्चना भारतवंशी, खुर्शीदा बानो, इली भारतवंशी, खुशी रमन, उजाला, दक्षिता भारतवंशी, शिखा आदि ने भागीदारी की।

पंजाब के कांग्रेस विधायक की चीनी मिलों और डिस्टलरी में आयकर की कार्रवाई जारी

मुरादाबाद (हिंस)। पंजाब के कपूरथला से कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह से जुड़ी मुरादाबाद जिले की दो चीनी मिलों और डिस्टलरी फैक्टरी में शनिवार को भी आयकर विभाग कार्रवाई जारी रही। तीनों स्थानों पर दस्तावेजों को खंगालने के साथ आयकर अधिकारी कारोबार का मूल्यांकन कर रहे हैं। जांच टीमों ने मिल के अधिकारियों के मोबाइल बंद करा दिए। आयकर अधिकारियों ने फैक्टरी के अधिकारियों से दस्तावेजों को लेकर पूछताछ जारी हैं। आय-व्यय का ब्योरा इकट्ठा करने में अधिक समय लग रहा है। जांच को लेकर आयकर विभाग के स्थानीय अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है। राणा ग्रुप की उत्तराखंड के बाजपुर फार्म हाउस के साथ ही मुरादाबाद जिले के भोजपुर क्षेत्र बेलवाड़ा और बिलारी में चीनी मिलें हैं। इसके अलावा करीमगंज बायोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड रानी नगर, सरदार नगर में डिस्टलरी फैक्टरी है। दो दिन पूर्व गुरुवार सुबह पांच बजे दिल्ली से आई आयकर विभाग की टीमों ने अर्ध सैनिक बलों के साथ बेलवाड़ा, बिलारी चीनी मिल और करीमगंज शराब फैक्टरी में छापा मारा तो हड़कंप मच गया। टीमों ने फैक्टरी के अधिकतर कर्मचारियों को बाहर निकाल कर परिसर को सील कर दिया।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिपरिषद, सांसदों व विधायकों के साथ संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज/जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महाकुंभ-2025 के अवसर पर शनिवार (एकादशी) को मंत्रिपरिषद के सहयोगियों एवं विधायकों के साथ प्रयागराज पहुंचे। उनके आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं आमजनों ने प्रयागराज एयरपोर्ट पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री शर्मा, मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद व विधायक संगम स्थल पहुंचे, जहां से बोट द्वारा त्रिवेणी घाट पहुंच कर उन्होंने संगम में डुबकी लगाकर स्नान किया व जय श्री राम के उद्घोष के साथ पूजा अर्चना की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक साथ संगम में आस्था की डुबकी लगाई और देश-प्रदेश की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में आस्था का जनसैलाब उमड़ रहा है। यह हमारी संस्कृति और संत, ऋषि व मुनियों की विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं और उनके नेतृत्व में विरासत का संरक्षण हो रहा है। विश्व का हर व्यक्ति महाकुंभ में आने के लिए लालायित हैं। शर्मा ने महाकुंभ की सुनियोजित व्यवस्थाओं के लिए केंद्र सरकार व उत्तरप्रदेश सरकार का आभार जताया। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार विकास के पथ पर विरासत संरक्षण के ध्येय के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर महाकुंभ में राजस्थान से जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राजस्थान मंडप तैयार करवाकर नि:शुल्क आवास, भोजन एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित मंत्री, सांसद, विधायकों सहित गणमान्यजन उपस्थित रहें।

किसानों के उत्थान से ही देश का विकास संभव है : राज्यपाल, आनंदीबेन पटेल

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को राजभवन के गांधी सभागार में अंतर्राष्ट्रीय आलू क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने किसानों की समस्याओं के समाधान और उनके आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने किसानों को ऑर्गेनिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें अपने उत्पादों के लिए सही बाजार और उचित मूल्य की व्यवस्था मिलनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में संबंधित विभाग से संपर्क कर किसानों को ऑर्गेनिक खेती की सुविधाएं दी जाएं। इसके अलावा, उन्होंने कोल्ड स्टोरेज में सोलर एनर्जी की व्यवस्था करने पर जोर दिया ताकि बिजली खर्च कम हो और किसानों को अधिक लाभ मिले। उन्होंने कहा कि कोल्ड स्टोरेज में किसानों को आ रही सभी दिक्कतों का तुरंत निवारण और इसके लिए नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्राइमरी स्कूलों में अक्षय पात्र के माध्यम से बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है, उसी प्रकार आंगनबाड़ी केंद्रों में भी अक्षय पात्र के माध्यम से बच्चों के भोजन की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने किसानों को सुझाव दिया कि वे अपने घर के एक कोने में सीजनल ऑर्गेनिक सब्जियां उगाएं और अपने परिवार को स्वस्थ भोजन प्रदान करें।

आप ने पंजाब को किया तबाह : सुखबीर बादल

चंडीगढ़ (हिंस)। दिल्ली में करीब 27 साल बाद भाजपा की सत्ता में होने वाली वापसी को लेकर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि आआपा ने पंजाब को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। सुखबीर बादल ने कहा कि मैं बधाई देना चाहता हूं दिल्ली की जनता को, जिन्होंने आम आदमी पार्टी का पर्दाफाश किया। ये पार्टी झूठ पर बनी। झूठ बोल कर दूसरे राज्यों में जाकर वोटें हासिल करने की कोशिश की। पंजाब के लोगों को गुमराह कर सरकार बना ली। उन्होंने कहा कि देश के लोगों को बताना चाहता हूं कि आप का कोई दीन ईमान नहीं है। जैसे उन्होंने दिल्ली तबाह की, वैसे ही पंजाब तबाह किया। कम से कम और किसी राज्य को तबाह ना करें।

यह जीत जनता की विकास सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का प्रमाण : अश्विनी चौबे

भागलपुर (हिंस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत मिलने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने इस ऐतिहासिक जीत को जनता द्वारा विकास, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपना अटूट विश्वास प्रकट किया है। चौबे ने इस शानदार सफलता के लिए दिल्ली की जागरूक जनता, परिश्रमी कार्यकर्ताओं और समर्पित पदाधिकारियों का हृदय से आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने विशेष रूप से पूर्वांचल की जनता का धन्यवाद किया, जिन्होंने मोदी जी की नीतियों और भाजपा की विचारधारा पर भरोसा जताते हुए पूर्ण समर्थन दिया।

उन्होंने कहा कि यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और जनता के आशीर्वाद का परिणाम है। भाजपा की यह ऐतिहासिक विजय देश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने झूठी और आपदा सरकार को उखाड़ फेंकने का काम किया है। इसके लिए उनका बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार।

डीआईजी की फटकार पर फोटो जर्नलिस्ट का हत्यारा पकड़ा गया, प्रेस क्लब पूर्णिया ने शिथिलता पर जताया था विरोध

पूर्णिया (हिंस)। फोटो जर्नलिस्ट नीलांबर यादव हत्याकांड के मुख्य आरोपी निशु यादव को पूर्णिया पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शातिर को मधुबनी के कोसी नर्सरी से पकड़ा गया है। बदमाश 27 दिसंबर को फोटो जर्नलिस्ट की हत्या के बाद से ही फरार था। मर्डर के बाद से वो नेपाल में जाकर छिपा था, दो दिन पहले ही वो पूर्णिया पहुंचा था। यहां आकर नर्सरी में छिपा था। गुप्त सूचना पर के-हाट थाना की पुलिस ने छापेमारी करते हुए नर्सरी से उसे धर दबोचा। बदमाश निशु यादव मरंगा थाना इलाके का रहने वाला था। वो इसी इलाके में नर्सरी भी चलाता था। इसके ऊपर पहले से ही हत्या, जमीन कब्जाने, मारपीट और रंगदारी जैसे मामले दर्ज हैं। शातिर निशु यादव फोटो जर्नलिस्ट की हत्या के बाद से ही पुलिस के रडार पर था। डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल के निर्देश पर के-हाट थाना की पुलिस ने हत्याकांड के एक आरोपी निशु यादव के चाचा प्रमोद यादव को पहले ही धर दबोचा था। वारदात में शामिल 4 आरोपी अभी भी पुलिस गिरफ्त से दूर हैं। कल ही प्रेस क्लब पूर्णिया के पत्रकारों की टीम नीलांबर के घर पर गई थी और आर्थिक मदद पहुंचाई थी। हाट थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि बीते 27 दिसंबर की देर रात हिंदुस्तान अखबार के फोटो जर्नलिस्ट नीलांबर यादव की हत्या कर दी गई थी। पत्नी की लिखित शिकायत पर इस मामले में के.हाट थाना में बदमाश निशु यादव समेत 6 लोगों पर 27 दिसंबर को ही एफआईआर भी दर्ज की गई थी। इस मामले से जुड़े हत्या के एक आरोपी प्रमोद यादव को उसी दिन पुलिस ने पकड़ लिया था और अब निशु यादव को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में निशु यादव ने बताया कि फोटो जर्नलिस्ट के मर्डर के बाद से वो नेपाल में छिपा था। तीन दिन पहले ही पूर्णिया लौटा था। उसकी खुद की नर्सरी है। वो नर्सरी में ही छिपा था। गिरफ्तार आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है। आरोपी को जल्द ही न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। फरार आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। बता दे कि बीते 27 दिसंबर को पूर्णिया में हिंदुस्तान अखबार के फोटो जर्नलिस्ट नीलांबर यादव की हत्या कर दी गई थी। बुलाने पर फोटो जर्नलिस्ट वारदात वाली रात पड़ोस में रहने वाले पति-पत्नी के बीच के झगड़े को सुलझाने गए थे। इसी पर बदमाश निशु यादव सहित और उसके चाचा प्रमोद यादव ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी के बाद निशु ने सिर पर लोहे की रॉड से वार कर फोटो जर्नलिस्ट की हत्या कर दी थी। घटना के बाद सभी आरोपी घर छोड़ भाग निकले थे।

आयकर विधेयक में बड़ा बदलाव, सरकार का सार्थक कदम

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयकर विधेयक को मंजूरी दे दी है। यह घोषणा न केवल एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि इससे करदाताओं को बहुत सारे मुकदमेबाजी मामलों से बचने में मदद मिलेगी।

संसद की मंजूरी के बाद रिटर्न दाखिल करना आसान हो जाएगा

साकारी सूत्रों के अनुसार यह नया आयकर विधेयक करदाताओं के लिए कई सुविधाओं के साथ आया है। इसका उद्देश्य इसे पढ़ने और समझने में आसान बनाना है, जिससे करदाताओं को अधिक संभावनाएं और विवादों से बचाने में मदद मिल सके। सरकार द्वारा इस आयकर विधेयक को लोकसभा में पेश किया जाएगा, और उसकी मंजूरी की उम्मीद है। इसके साथ ही आगे कानून पास होने पर, विधेयक को वित्त पर संसदीय स्थायी समिति के समक्ष भेजा जा सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस विधेयक का जश्न तीव्र भावना के साथ किया और कहा कि यह नया कानून भारतीय न्याय संहिता के मूल दर्शन को मूर्त रूप देगा। इससे कर निश्चितता और मुकदमेबाजी में काफी सुधार आ सकता है। इस नए आयकर विधेयक के प्रमुख फीचर्स में शामिल है वर्तमान कानून के संदर्भ में बहुत सुधारने की स्पष्ट प्रमाणित तकनीक, जिससे करदाताओं और कर प्रशासन के लिए समझना आसान होगा। इस खास आयकर विधेयक के जरिए सरकार ने करदाताओं के साथ यथासंभाव सहयोग करने का संकल्प जाहिर किया है, जिससे आम जनता को एक नया और सरल करदाता-मित्र सुनिश्चिता दिया जा सके। इस आयकर विधेयक को गड़ने के पीछे सरकार का एक हेतु भी है, जो मुख्य रूप से इसे करदाताओं के लिए और संपूर्ण देश के वित्तीय स्थिति के लिए महत्वपूर्ण बनाता है। विधेयक को नया आयकर विधेयक लागू किया जाने की उम्मीद है, और यह साकारी मंत्री और उनकी सरकार के द्वारा लिया गया यह अभूतपूर्व कदम, जिसके माध्यम से आयकर संबंधित विवादों और मुकदमों का संक्षेप में समाधान हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

एनएचपीसी का लाभ दिसंबर तिमाही में 47 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पनबिजली कंपनी एनएचपीसी का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 47 प्रतिशत घटकर 330.13 करोड़ रुपये हो गया। खर्च बढ़ने से कंपनी के लाभ में कमी आई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 623.28 करोड़ रुपये रहा था। एनएचपीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका कुल खर्च बढ़कर 2,217.51 करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,733.01 करोड़ रुपये था। दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय मामूली रूप से बढ़कर 2,616.89 करोड़ रुपये हो गई, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 2,549.69 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 10 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य पर 14 प्रतिशत की दर से अंतरिम लाभांश के भुगतान को भी मंजूरी दी।

सतत विकास को आगे बढ़ाने यूएनडीपी, पश्चिम बंगाल में समझौता

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और पश्चिम बंगाल ने प्रमुख विकास प्राथमिकताओं पर सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एक बयान में कहा गया कि साझेदारी मानव विकास को आगे बढ़ाने के लिए जलवायु वित्त सहित विकास वित्त पर केंद्रित रहेगी। बयान के मुताबिक यह साझेदारी डेटा-संचालित नीति-निर्माण के लिए जवाबदेही हेतु निगरानी ढांचा स्थापित करेगी, डिजिटल समाधानों और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करेगा। जलवायु-अनुकूल कृषि और टिकाऊ आजीविका के माध्यम से हाशिए पर पड़े समुदायों को भी इससे समर्थन मिलेगा। इसमें कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में जलवायु घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता को देखते हुए सहयोग से तैयारियों और अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने के लिए नवीन आपदा मजबूती रणनीति भी विकसित की जाएगी इस समझौता ज्ञापन पर पश्चिम बंगाल सरकार के वित्त एवं योजना एवं सांख्यिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) प्रभात कुमार मिश्रा और यूएनडीपी की स्थानीय प्रतिनिधि एंजेला लुसिगी ने हस्ताक्षर किए ।

ब्रिटानिया अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ाएगी, कंपनी का 6-6.5 फीसदी कीमत वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली । एफएमसीजी की प्रमुख खिलाड़ी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस वित्त वर्ष के अंत तक अपने प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में 2 फीसदी तक की कीमत बढ़ोतरी कर दी थी। ब्रिटानिया जो ब्रांड्स जैसे कि ब्रिटानिया गुड डे और मारी गोल्ड का नाम रखती है, ने अपने निवेशकों को बताया कि वित्तीय वर्ष 2025 तक 4-4.5 फीसदी तक कीमतें बढ़ाने की योजना बनाई है। महंगाई और कमजोर मांग के हालात पर ध्यान देते हुए, कंपनी ने 6-6.5 फीसदी कीमत वृद्धि का लक्ष्य रखा है। इस नए नीति के साथ ब्रिटानिया की समेकित शुद्ध लाभ में 31 दिसंबर को 5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो विश्लेषकों के अनुमान से अधिक है। इसके बावजूद शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों में एक चीयरपंटी देखी गई। ब्रिटानिया ने 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में 5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की. कंपनी का मुनाफा 582 करोड़ रुपये रहा जो विश्लेषकों के 521 करोड़ रुपये के अनुमान से अधिक था। ब्रिटानिया का तिमाही राजस्व 8 फीसदी बढ़कर 4,593 करोड़ हो गया, जबकि कुल खर्च 9 फीसदी बढ़कर 3,875 करोड़ तक पहुंच गया. हालांकि, शेयर बाजार में ब्रिटानिया के शेयरों में शुक्रवार को 1.70 फीसदी की गिरावट देखी गई और यह 4,872 पर बंद हुए।

केरल सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर बढ़ाया टैक्स

इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच एवं बिक्री की रफ्तार पर लगेगा ब्रेक

नई दिल्ली

केरल सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बढ़ते प्रचलन को बढ़ावा देने के लिए वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। विधान सभा में पेश किए गए बजट में, सरकार ने 15 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले निजी ईवी पर एकमुश्त रोड टैक्स में वृद्धि की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद 15 लाख रुपये से अधिक की कीमत वाले ईवी पर 8 फीसदी रोड टैक्स लागू किया जाएगा, जो पहले 5 फीसदी था।

इसके साथ ही, 20 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले ईवी पर 10 फीसदी कर लागू किया जाएगा। इसी तरह बैटरी किराए पर देने वाले वाहनों पर भी 10 फीसदी का कर लगाया जाएगा। उद्योग के वकीलों का मानना है कि इस कदम से केरल में ईवी की बिक्री में तेजी आ सकती है, परन्तु कुछ नेताओं ने इसे उचित नहीं माना और सरकार की इस नीति पर सवाल उठाए हैं। इस नई निर्णय के माध्यम से सरकार का लक्ष्य है केरल में अप्रियूक्टिव वाहनों के उपयोग को कम करना और प्रदूषण मुक्त चलने की सेवाओं को प्रोत्साहित करना। एक उद्योग संगठन के नेता ने अपनी पहचान जाहिर न करने की शर्त पर कहा, 'ऐसे समय में यह एक सकारात्मक कदम नहीं है जब पूरा देश ईवी की पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और केरल के लोग उसमें सबसे आगे हैं।' बजट में कर के मोर्चे पर किए गए उपायों से राज्य सरकार को 366 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है। यह राज्य सरकार का अंतिम पूर्ण बजट है। इसमें 1.79 लाख करोड़ रुपये के राजस्व व्यय और 1.52 लाख करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति का अनुमान लगाया गया है। इस प्रकार इससे राज्य को 27,125 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों पर कर लगाने की इस पहल के बारे में उद्योग जगत का कहना है कि यह पीछे की ओर ले जाने वाला कदम है।

साल के अंत तक लॉन्च हो सकती है हुंडई वेन्यू

नई दिल्ली। नई पीढ़ी की हुंडई वेन्यू सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी इस साल के अंत तक भारत में लॉन्च हो सकती है, और इसमें कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। भारत में नई पीढ़ी की हुंडई वेन्यू की टेस्टिंग अब शुरू हो गई है। अपडेटेड वेन्यू का मुकाबला भारतीय बाजार में टाटा, मारुति, रेनो, निसान, महिंद्रा और स्कोडा जैसी कंपनियों की कारों से होगा। नई वेन्यू के प्रोटोटाइप में कई बाहरी बदलाव देखे गए हैं, जिनमें नए डिजाइन के हॉरिजॉन्टल टेललाइट्स, स्टील व्हील्स के लिए नए व्हील कवर, नए हेडलैम्प्स और एलईडी प्रोजेक्टर यूनिट्स शामिल हैं। पावरट्रेन की बात करें तो नई वेन्यू में वही इंजन विकल्प होंगे जो पहले थे, जिनमें 1.2-लीटर पेट्रोल, 1.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल और 1.5-लीटर डीजल इंजन शामिल हैं। इसके साथ ही ट्रांसमिशन विकल्पों में 5-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड मैनुअल, 7-स्पीड डीसीटी और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक यूनिट्स मिलेंगे। इसके अलावा, नई रेडिएटर ग्रिल, संशोधित फ्रंट और रियर बंपर्स, और नए डिजाइन के अलॉय व्हील्स भी अपडेट्स का हिस्सा हैं। केबिन के अंदर भी बदलाव देखने को मिलेंगे, जिसमें नया डैशबोर्ड लेआउट, 360-डिग्री कैमरा, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें और नई अपहोल्स्ट्री जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। इस कार में बदलाव न केवल डिजाइन के मामले में होंगे, बल्कि इसके इंटीरियर्स में भी नयापन दिखाई देगा।

असम के सीएम सरमा ने टाटा समूह के चेयरमैन से की मुलाकात

नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने टाटा संस और टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन से नई दिल्ली में पृथ्वीराज रोड पर आवास में मुलाकात की। इस मीटिंग में असम में टाटा समूह द्वारा किए जाने वाले आगामी निवेशों पर चर्चा की गई, जिसमें जगीरोड में सेमी-कंडक्टर प्लांट भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में असम में मेगा प्लांट के निर्माण का निरीक्षण किया था और टाटा समूह के निवेश की सराहना की।

इसके अलावा हिमंत बिस्वा सरमा ने नटराजन चंद्रशेखरन को गुवाहाटी में 25 और 26 फरवरी को आयोजित एडवांटेज असम 2.0 इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर समिट के लिए भी आमंत्रित किया। हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस मीटिंग के उत्साह को दर्शाया और असम के विकास के लिए साथ में काम करने की उम्मीद जताई। टाटा समूह असम में जगीरोड पर एक सेमीकंडक्टर प्लांट लगा रहा है, जिससे राज्य में सबसे बड़े निवेशों में से एक हुआ। इस मीटिंग से स्पष्ट हुआ कि असम सरकार और टाटा समूह एकसमान उत्सुकता से प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए साझा संकल्पित हैं। यह साझेदारी स्थानीय जनता के विकास और प्रगति के लिए नई दिशा देने का एक प्रेरणादायक कदम है।

एयरटेल ने कहा- मोबाइल सेवा शुल्क में बढ़ोतरी की जरूरत

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने अपने वादे के तीन महीने बाद सेवा शुल्क में वृद्धि करने की घोषणा की है। एयरटेल के एक अधिकारी ने बताया कि इसका मुख्य कारण वित्तीय स्थिरता है। उनके अनुसार कंपनी नेटवर्क में निवेश कम कर रही है। उन्होने कहा कि हम अब उपभोक्ताओं के अनुभव को इस्तेमाल करने और घरेलू ब्रॉडबैंड सेवाओं को विस्तारित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने इसे एक वित्तीय परिवर्तन के रूप में देखा और वित्तीय वर्ष 2023-24 से पूंजीगत व्यय में कमी की उम्मीद जताई। एयरटेल का एआरपीयू भी देखने योग्य है, जैसा कि अधिकारी ने कहा कि भारत का एआरपीयू वैश्विक स्तर पर सबसे कम है।

सरकार और रिजर्व बैंक महंगाई, विकास दर पर मिलकर कर रहे हैं काम: सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) महंगाई, विकास दर जैसे मोर्चे पर मिलकर काम कर रहे हैं। मजबूत बजट और आरबीआई के हालिया फैसलों से बढ़ती अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। केंद्रीय वित्त मंत्री ने नई दिल्ली में आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाले केंद्रीय निदेशक मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए सूझ-बूझ के साथ राजकोषीय प्रबंधन के उपाए किए गए हैं। सीतारमण ने बजट पेश होने के बाद आरबीआई के साथ परंपरागत बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा के साथ केंद्रीय निदेशक मंडल को संबोधित किया। वित्त मंत्री ने रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाले केंद्रीय निदेशक मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट के दृष्टिकोण को रखा। उन्होंने बजट में प्रमुख क्षेत्रों में दिए गए जोर तथा वित्तीय क्षेत्र से उम्मीद के बारे में भी अपनी बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ''बजट में विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के साथ आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए सूझ-बूझ के साथ राजकोषीय प्रबंधन के उपाए किए गए हैं।''

डिलीवरी बॉय, कैब ड्राइवर को भी मिलेगी पेंशन

नई दिल्ली

अमेजन, फ्लिपकार्ट और जोमेटो आदि के लिए काम करने वाले डिलीवरी बॉय, ओला-उबर के कैब डाइवर्स सहित अन्य क्षेत्रों में लगे गिग वर्कर्स को भी पेंशन देने का इंतजाम सरकार करने जा रही है। गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए श्रम और रोजगार मंत्रालय एक लेन-देन आधारित पेंशन नीति बना रहा है। इस योजना के तहत एग्रीगेटर्स को अपनी वार्षिक टर्नओवर का 1-2 फीसदी योगदान पेंशन के लिए देना होगा। सरकार की यह पहल देशभर के करीब एक करोड़ प्लेटफॉर्म वर्कर्स को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार की जा रही है।

इसके अलावा सरकार गिग वर्कर्स को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा कवरेज देने की योजना भी बना रही है। यह पहल गिग वर्कर्स के लिए आर्थिक सुरक्षा और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। नीति आयोग की 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारत में 77 लाख गिग वर्कर्स थे, जो अब बढ़कर एक करोड़ से अधिक हो गए हैं. इनमें से 47 फीसदी गिग नौकरियां मध्यम-कुशल, 22 फीसदी उच्च-कुशल और 31 फीसदी निम्न-कुशल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस योजना के तहत हर गिग वर्कर को एक यूनिवर्सल अकाउंट नंबर दिया जाएगा। यह नंबर कई प्लेटफार्मों पर उनके वेतन लेन-देन से जुड़ा रहेगा, जिससे प्रति बिल के आधार पर नियोक्ता द्वारा योगदान काटा जाएगा।

ओबीडी 2 चरण बी ने दोपहिया वाहनों की कीमतों में इजाफा किया

कीमतों में एक से दो प्रतिशत तक का मामूली इजाफा होगा

नई दिल्ली

अतिरिक्त हार्डवेयर की जरूरत की वजह से उत्सर्जन के नए मानदंड ओबीडी 2 चरण बी के कारण देश में दोपहिया वाहनों की कीमतों में एक से दो प्रतिशत तक का मामूली इजाफा होगा। हीरो मोटोकॉर्प के एक प्रमुख अधिकारी ने यह बताया कि ओबीडी 2 चरण बी के मानदंड वाहनों के लिए कार्बन उत्सर्जन निगरानी के ऐसे कड़े मानक हैं जो उत्सर्जन की तत्काल निगरानी और निदान क्षमताओं को बढ़ाते हैं। इस मानदंड के लागू होने से 1 मई से कंपनी के कार्यवाहक मुख्य कार्याधिकारी विभिन्न उत्पादों की नई वाहनों को पेश कर सकेगी। उन्होंने कहा कि ओबीडी-2 चरण-बी के मानदंडों के अनुसार वाहनों में लगाए जाने वाले अतिरिक्त हार्डवेयर की वजह से दामों में एक-दो प्रतिशत का मामूली इजाफा होने जा रहा है। यह समूचे उद्योग पर लागू होगा। हीरो मोटोकॉर्प ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के दौरान अपने शुद्ध लाभ में सालाना 1,107.5 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी ने वेतनभोगी व्यक्तियों की 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं लगाने की सरकार की योजना का स्वागत किया। जब उनसे इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वास्तव में ओबीडी-2 चरण-बी ने ग्राहकों की आय में वृद्धि की संभावना बढ़ा दी है। दोपहिया क्षेत्र को भी यह फायदा पहुंचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कर राहत के नए नियम उस व्यक्ति पर सकारात्मक असर डालेंगे जिसकी आय 10 से 12 लाख रुपये के आसपास हो। इससे ग्राहकों का खर्च करने में योग्य नकदी बढ़ेगी और दोपहिया क्षेत्र की खपत में मदद मिलेगी।

विनफास्ट ने भारतीय बाजार में एंट्री की घोषणा की

नई दिल्ली। हाल ही में कार निर्माता कंपनी विनफास्ट ने भारतीय बाजार में अपनी एंट्री की घोषणा की। ऑटो एक्सपो 2025 में कंपनी ने एक्सपो में अपनी ग्लोबल प्रोडक्ट्स की पूरी लाइनअप को पेश किया। कंपनी अब भारतीय बाजार में अपने पहले ऑफिशियल लॉन्च के लिए तैयार है और इसका लक्ष्य फेस्टिव सीजन, यानी दिवाली के आसपास अपनी वीएफ7 एसयूवी को लॉन्च करना है। हालिया बाढ़ के बावजूद, तमिलनाडु में कंपनी के निर्माणाधीन प्लांट का निर्माण निर्धारित समय पर पूरा होने की उम्मीद है।विनफास्ट के पास वीएफ8 और वीएफ9 जैसे बड़े और प्रीमियम मॉडल भी हैं, जो उत्तरी अमेरिका और मिडिल ईस्ट में सफल रहे हैं। इन मॉडल्स को भारत में वीएफ7 के बाद लॉन्च किया जा सकता है। कंपनी के एशिया रीजन के एमडी और सीईओ फाम सान्ह चाऊ ने कहा कि वीएफ7 को मिड-सेगमेंट में प्रीमियम मॉडल के रूप में पेश कियाकरना चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन कंपनी की पेरेंट कंपनी विंगग्रुप की मजबूत ब्रांड इमेज से उसे मदद मिल सकती है।

राष्ट्रीय खेल :ताइक्कांडो के दूसरे दिन हरियाणा, यूपी महाराष्ट्र और सर्विसेज के खिलाड़ियों का जलवा

रुद्रपुर

38वें राष्ट्रीय खेलों के ताइक्कांडो मुकाबलों के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। क्योर्गी और पूमसे इवेंट्स में देशभर के एथलीट्स ने अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाया। हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और सर्विसेज के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किए।

क्योर्गी इवेंट में दमदार मुकाबले – महिला ओवर 73 किग्रा वर्ग में हरियाणा की हिमांशी अंतिल ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि असम की रोडाली बरुआ को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महाराष्ट्र की श्रेया नितिन जाधव और ओडिशा की रुचिका श्रीरंग भावे ने कांस्य पदक हासिल किए। महिला अंडर 49 किग्रा वर्ग का खिताबी मुकाबला उत्तर प्रदेश के दो खिलाड़ियों के बीच हुआ, जहां वैष्णवी ने नयन अविनाश बर्गजे को हराकर स्वर्ण पदक जीता। उत्तराखंड की दिव्या भारद्वाज और हरियाणा की दीक्षा ने कांस्य पदक अपने नाम किए। महिला अंडर 62 किग्रा वर्ग में उत्तर प्रदेश की रिशिता राज ने अपनी फुर्ती और कौशल का जलवा दिखाते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। उत्तराखंड की भूमिका जन्तवाल ने रजत पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र की मनीषा सुद्धाराम गुट्टेदार और भारती रोहिदास मोरे ने कांस्य पदक जीते। पुरुष ओवर 87 किग्रा वर्ग में महाराष्ट्र के मह गौरव दत्तात्रेय भट ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जबकि राजस्थान के राज ऋतुराज यादव को रजत पदक मिला। कर्नाटक के प्रीतम आर और उत्तराखंड के काव्य तलरेजा ने कांस्य पदक जीते। पुरुष अंडर 58 किग्रा वर्ग में सर्विसेज के अब्दुल वाहिद जे ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि हरियाणा के अमन कुमार को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मध्य प्रदेश के हनी यादव और महाराष्ट्र के आयुष संदीप ओहल ने कांस्य पदक हासिल किए। पुरुष अंडर 74 किग्रा वर्ग में जम्मू–कश्मीर के आशीष ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक जीता। सर्विसेज के रामवीर गुर्जर को रजत पदक मिला, जबकि उत्तराखंड के राहुल सिंह और ऋषभ अधिकारी ने कांस्य पदक जीते।

पूमसे मिक्स्ड पेयर मुकाबलों में दिखा तकनीकी कौशल –पूमसे मिक्स्ड पेयर इवेंट में विभिन्न राज्यों की टीमों ने अपने कौशल और समन्वय का शानदार प्रदर्शन किया। इस स्पर्धा में शीर्ष आठ जोड़ियों ने भाग लिया, जिसमें महाराष्ट्र ने दो टीमें (महाराष्ट्र ए और महाराष्ट्र बी) उतारी।

प्रतिभागी जोड़ियां इस प्रकार रहीं:

महाराष्ट्र – ए: हरनेकर मृनाल शशिकांत और सिंह ठाकुर वंश प्रेम

अरुणाचल प्रदेश: रयोडी पिकरी और तेजा मिचिंग

महाराष्ट्र – बी: चेड हुसुंधरा विनोदकुमार और भोले शिवानी ऋषिकेश

दिल्ली: शिल्पा थापा और कुनाल कुमार।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय खेलः खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इस भव्य आयोजन में देशभर से आए खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जिनके लिए विशेष स्वास्थ्य सेवा टीम तैनात की गई है। उत्तराखंड सरकार ने खेलों के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए विशेष मेडिकल टीम गठित की है। सिर्फ देहरादून में 32 अनुभवी डॉक्टरों के साथ नर्सों और अन्य चिकित्सा कर्मियों की टीम तैनात है। खिलाड़ियों को किसी भी चोट या बीमारी की स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, खिलाड़ियों की नियमित स्वास्थ्य जांच भी की जा रही है ताकि उनकी फिटनेस सुनिश्चित की जा सके। खेलों के दौरान चिकित्सा सुविधाओं को और अधिक सुलभ बनाने के लिए राज्य सरकार ने मोबाइल हेल्थ यूनिट की भी व्यवस्था की है, जो पूरे आयोजन के दौरान सक्रिय रहेगी। बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की इस पहल से खिलाड़ियों को सुरक्षित माहौल मिला है, जिससे वे अपने खेल पर पूरा ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं।

लीजेंड 90 लीगः लेंडल सिमन्स की विस्फोटक पारी से दिल्ली रॉयल्स की बड़ी जीत

रायपुर। शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेली जा रही लीजेंड 90 लीग के तीसरे दिन दिल्ली रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान किंग्स को 41 रनों से हराया। दिल्ली ने टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा करते हुए 15 ओवरों में 195 रन बनाए। जवाब में राजस्थान किंग्स की टीम 154 रन ही बना सकी। टॉस जीतकर राजस्थान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन यह उनके लिए सही साबित नहीं हुआ। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमन्स ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंदों पर 87 रन ठोके, जिसमें 12 चौके और 4 छक्के शामिल थे। कप्तान शिखर धवन ने 26 रन की उपयोगी पारी खेली, जबकि एंजेलो परेरा ने 24 गेंदों में 54 रन की विस्फोटक पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की टीम की शुरुआत खराब रही। पहले ही ओवर में परविंदर अवाना ने फिल मस्टर्ड को पवेलियन भेज दिया।

बीपीएल विवादों में घिरा, मॉडल येशा ने पहनी साड़ी, प्रबंधन ने किया बाहर

नई दिल्ली। बांग्लादेश प्रीमियर लीग विवाद से घिर गया है क्योंकि चटगांव किंग्स के प्रतिनिधि यशा सागर ने टूर्नामेंट के बीच में ही बांग्लादेश को छोड़ दिया है। किंग्स ने कनाडाई मॉडल और मॉडल येशा को पूरे बीपीएल के लिए नियुक्त किया था। येशा को इस दौरान फ्रेंचाइजी की प्री–मैच, पोस्ट–मैच और प्रायोजन भूमिकाओं में शामिल होना था। यह बिल्कुल वैसे ही जैसे आरसीबी के लिए मिस्टर नेग्स वैसे ही चटगांव किंग्स के लिए येशा। येशा बीते दिनों ही साड़ी में एंकरिंग करते नजर आई थी। येशा का यह स्टाइल फैंस ने खूब पसंद किया। इंस्टाग्राम पर ही उनकी इस वीडियो को 2 लाख से ज्यादा लाइक मिले थे। इसी महीने चीजों में भारी बदलाव आया क्योंकि किंग्स ने उन्हें एक नोटिस भेजा जिसमें उन पर आधिकारिक प्रायोजन रात्रिभोज में भाग न लेने और अपनी प्रायोजन शूटिंग पूरी नहीं करने का आरोप लगाया है। चटगांव किंग्स के मालिक समीर कादर चौधरी ने टिप्पणी की कि अनुबंध के मुताबिक येशा अपने कर्तव्यों को निभाने में विफल रहे हैं, और आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किए जाने के बावजूद, रात्रिभोज में शामिल नहीं हुई जिससे चटगांव किंग्स को वित्तीय और प्रतिष्ठित की क्षति हुई है। नोटिस से आहत येशा ने इसका जवाब नहीं दिया, बल्कि बांग्लादेश से बाहर जाने का विकल्प चुना। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि वह भारत के लिए उड़ान भर चुकी हैं और लीजेंड्स 90 लीग को होस्ट कर रही हैं। बांग्लादेश प्रीमियर लीग लगातार विवादों में है।

राष्ट्रीय खेल : उत्तराखंड की अंकिता और सोनिया ने 10,000 मीटर दौड़ में जीते रजत और कांस्य पदक

देहरादून

उत्तराखंड की धाविकाओं ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 10,000 मीटर फाइनल में दो पदक अपने नाम किए। इस रोमांचक दौड़ में महाराष्ट्र की संजीवनी जाधव ने 33:33.47 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उत्तराखंड की अंकिता ने 34:31.03 के समय के साथ रजत पदक और सोनिया ने 35:45.19 के समय के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

उत्तराखंड की इस सफलता ने राज्य की लॉन्ग डिस्टेंस दौड़ में बढ़ती ताकत को दर्शाया। अंकिता और सोनिया ने अपनी सहनशक्ति और दृढ़ता का परिचय देते हुए प्रदेश की खेल प्रतिभा को नई पहचान दिलाई।

अंकिता और सोनिया ने व्यक्त की खुशी

अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए अंकिता ने कहा, मैंने हाल ही में ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और अब राष्ट्रीय खेलों में 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता है। इस उपलब्धि पर मुझे गर्व है और यह भी खुशी है कि इस साल के राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में हो रहे हैं।

वहीं, सोनिया ने भी अपनी उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह मेरे लिए बहुत खास है। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं पदक जीतूंगी, लेकिन कड़ी मेहनत और समर्पण से यह संभव हो पाया। यह जीत मेरे लिए बहुत मायने रखती है।

उत्तराखंड के एथलेटिक्स में उवल भविष्य की उम्मीद

अंकिता और सोनिया के इस शानदार प्रदर्शन ने उत्तराखंड को गर्व महसूस कराया और राज्य की खेल नीति को मजबूती दी है। उनकी इस सफलता ने आने वाले एथलीटों के लिए एक ऊंचा मानदंड स्थापित किया है, जिससे राज्य के एथलेटिक्स में उवल भविष्य की उम्मीदें और प्रबल हो गई हैं।

राष्ट्रीय खेलः उत्तराखंड में खेलों को मिली नई पहचान, युवाओं का संवरता भविष्य

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल ने न सिर्फ प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया, बल्कि युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने की नई प्रेरणा भी दी। इस ऐतिहासिक आयोजन ने यह साबित कर दिया कि मेहनत, लगन और सही दिशा में प्रयास करने से बड़े से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। खेलों से युवाओं को मिली नई दिशा राष्ट्रीय खेलों के दौरान प्रदेश के युवाओं में खेलों को लेकर जागरूकता बढ़ी और उन्होंने इसे करियर के रूप में अपनाने की दिशा में सोचना शुरू कर दिया। खेलों को देखने पहुंचे दर्शकों ने कहा कि इस आयोजन से उत्तराखंड के युवाओं को खेल की दुनिया में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिला है। एक दर्शक ने कहा, राष्ट्रीय खेल के आयोजन से प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला है। बच्चों ने इन खेलों से सीखा कि मेहनत और टीम वर्क से सफलता के शिखर तक पहुंचा जा सकता है। स्टेडियमों का हुआ कायाकल्प खेलों के आयोजन से उत्तराखंड के स्टेडियमों में भी बड़े बदलाव देखने को मिले। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किए गए इन स्टेडियमों ने खिलाड़ियों को बेहतरीन मंच दिया, जिससे भविष्य में यहां से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलने की उम्मीद है। स्टेडियमों में उमड़ी भीड़ और खिलाड़ियों का उत्साह यह दर्शाता है कि उत्तराखंड में खेलों को लेकर गहरी रुचि है। खेल प्रेमियों का मानना है कि यह आयोजन प्रदेश को खेलों की दुनिया में नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगा। खेलों ने बढ़ाया आत्मविश्वास इन खेलों के जरिए बच्चों ने न सिर्फ खेलों में रुचि बढ़ाई, बल्कि यह भी सीखा कि अनुशासन, परिश्रम और समर्पण से ही सफलता संभव है। विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेकर युवाओं को अपने कौशल को निखारने का अवसर मिला। राष्ट्रीय खेलों की सफलता ने यह संदेश दिया कि अगर मेहनत और लगन हो, तो कोई भी सपना हकीकत में बदला जा सकता है। उत्तराखंड में खेलों का यह सुनहरा अध्याय न केवल खिलाड़ियों, बल्कि पूरे प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगा।

राष्ट्रीय खेल फुटबॉल : स्वर्ण पदक जीतकर केरल बना चैंपियन, उत्तराखंड को मिला रजत पदक

हल्द्वानी

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल के तहत शुक्रवार को पुरुष वर्ग की फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला गया। फाइनल में केरल की टीम ने उत्तराखंड की टीम को 1–0 से हराते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उत्तराखंड को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

हल्द्वानी में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। दूसरे हाफ में 53वें मिनट में केरल के गोकुल एस ने शानदार गोल कर अपनी टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, केरल के लिए स्थिति तब मुश्किल हो गई जब उनके खिलाड़ी सफवान एम को 75वें मिनट में रेड कार्ड मिला, जिससे केरल को बाकी मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद, केरल की डिफेंस ने उत्तराखंड को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया और 1–0 की जीत के साथ केरल ने 38वें राष्ट्रीय खेल में फुटबॉल का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

उत्तराखंड को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

कांस्य पदक मुकाबलाः दिल्ली ने असम को हराया

कांस्य पदक के लिए दिल्ली और असम के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। दिल्ली के महीप अधिकारी ने 20वें मिनट में पहला गोल दागा। इसके बाद 44वें मिनट में जासनबोक बुफ़हांग ने दूसरा गोल कर दिल्ली को 2–0 की मजबूत बढ़त दिला दी। हालांकि, असम ने भी हार नहीं मानी और पहले हाफ के इंजरी टाइम (45+2) में अक्रंग नाज़ारी ने गोल कर स्कोर 2–1 कर दिया। दूसरे हाफ में दिल्ली के आदित्य अधिकारी ने 72वें मिनट में शानदार गोल कर अपनी टीम को फिर से 3–1 की बढ़त दिलाई। असम के ज्वंगबला ब्रह्मा ने 82वें मिनट में गोल कर स्कोर 3–2 किया, लेकिन मैच के अंतिम लम्हों में (90+6) आदित्य अधिकारी ने अपना दूसरा और दिल्ली के लिए चौथा गोल कर 4–2 से जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ दिल्ली ने कांस्य पदक अपने नाम किया, जबकि असम को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा।

पाक के बल्लेबाज सईम चोट के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर

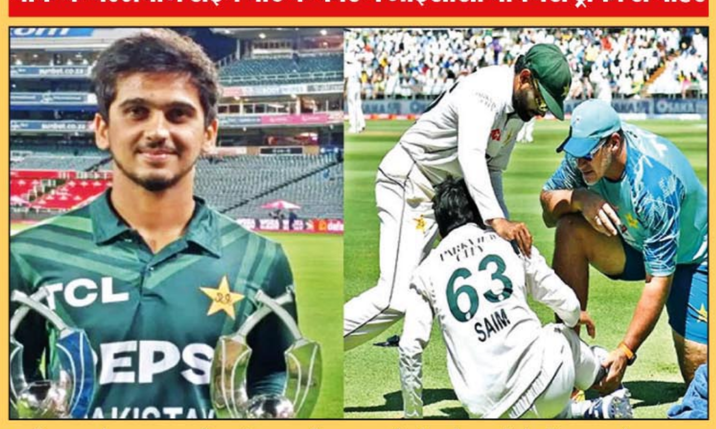

पाकिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज सईम अयूब को चोट से उबरने के लिए कम से कम 10 हफ्ते के रिहैबिलिटेशन करना होगा जिससे वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि सईम अब फ्रेक्चर की चोट से अब उबर रहे हैं और वह इंग्लैंड में रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे। उन्हें यह चोट जनवरी में दक्षिण अफ्रीका में लगी थी। पीसीबी ने कहा कि न्यूजीलैंड दौरे के लिए उनकी सभी फिटनेस और चिकित्सा संबंधित जांच को पूरा करने के बाद ही तय होगी। 2024 में अपने वनडे डेब्यू के बाद से इस युवा खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया है। सईम ने 9 मैचों में 64.37 की औसत से 515 रन बनाए हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो शतक और जिम्बाब्वे के खिलाफ एक शतक लगाया और उम्मीद थी कि वह इस बड़े टूर्नामेंट में पाकिस्तान के लिए अहम भूमिका निभाएंगे। चैम्पियंस ट्रॉफी का आगाज 19 फरवरी से पाकिस्तान में होने वाला है जबकि हाईब्रिड मॉडल के तहत भारत के मैच दुबई में होंगे। पाकिस्तान टीम इस प्रकार है– मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आजम, फखर जमान, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

दिल्ली कैपिटल्स ने लॉन्च किया डीसी फैन सभा ऐप, फैंस को मिलेगा खास अनुभव

नई दिल्ली

आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीज़न से पहले, जेएसडब्ल्यू–जीएमआर के सह–स्वामित्व वाली दिल्ली कैपिटल्स ने अपने प्रशंसकों के लिए एक नया आधिकारिक मोबाइल ऐप डीसी फैन सभा लॉन्च किया है।

फैंस के लिए खास इनाम और अनुभव

दिल्ली कैपिटल्स हमेशा अपने फैन फर्स्ट दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता रहा है, और इसी सोच के तहत यह नया ऐप डिजाइन किया गया है। यह ऐप प्रशंसकों को दूसरी स्क्रीन का शानदार अनुभव देने के साथ–साथ उन्हें अनोखे इनाम और अवसर भी प्रदान करेगा। फैंस ऐप पर रजिस्टर कर विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं, जिनमें मैच टिकट, एक्सक्लूसिव मर्चेंडाइज जैसे अनुभव शामिल हैं।

डीसी रिवार्ड्सः पांच-स्तरीय लॉयल्टी प्रोग्राम

दिल्ली कैपिटल्स ने ऐप के जरिए एक

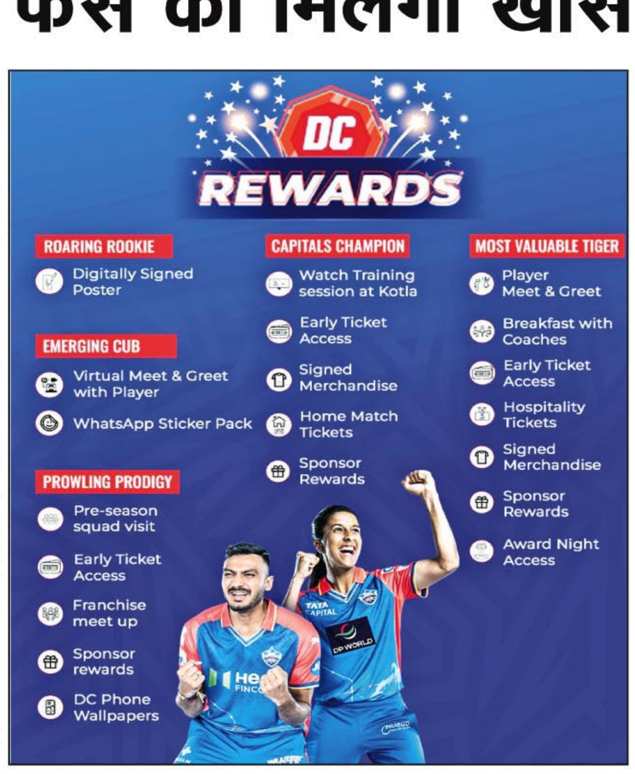

पांच–स्तरीय वफादारी कार्यक्रम डीसी रिवार्ड्स पेश किया है, जिसमें प्रशंसक ऐप के भीतर विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अंक अर्जित कर सकते हैं। ये अंक उन्हें स्पेशल एक्सपीरियंस और इनाम अनलॉक करने का मौका देंगे।

ऐप लॉन्च पर दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स में, हमारे फैंस हमारी प्राथमिकता हैं। डीसी फैन सभा ऐप के माध्यम से हम उन्हें अनोखे अनुभव, रोमांचक गेम, पर्दे के पीछे की झलकियां और एक्सक्लूसिव मर्चेंडाइज का आनंद लेने का अवसर दे रहे हैं। यह ऐप सभी डीसी प्रशंसकों के लिए वन–स्टॉप डेस्टिनेशन बनेगा। फैंस अब डीसी फैन सभा ऐप को एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर डाउनलोड कर सकते हैं और दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ने का एक नया और रोमांचक तरीका अपना सकते हैं।

दुबई में हुआ इंटरकांटिनेंटल लेजेंड्स चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण

दुबई

दुबई में आयोजित एक भव्य समारोह में इंटरकांटिनेंटल लेजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) की ट्रॉफी का अनावरण किया गया। यह लीग दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटरों को एक मंच पर लाने का काम करेगी।

आईएलसी का उद्घाटन सत्र 3 से 12 मार्च 2025 तक देहरादून के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा, जिसमें अफ्रीका लायंस, अमेरिकन स्ट्राइकर्स, एशियन एवेंजर्स, यूरो ग्लैडीएटर्स, कैरेबियन हरिकेन्स और ट्रांस टाइटन्स नाम की छह टीमें हिस्सा लेंगी।

लीग प्रबंधन और विशेष अतिथियों की मौजूदगी – इस ट्रॉफी के अनावरण समारोह का आयोजन लीग के आधिकारिक प्रबंधक 100 स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया।

आईएलसी के विजन पर चर्चा – लीग के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए आईएलसी के सीईओ प्रदीप सांगवान ने कहा, यह सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों को जोड़ने का माध्यम है। भारत से शुरू होकर यह लीग विभिन्न महाद्वीपों की यात्रा करेगी और प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट को एक नई दिशा देगी।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज हर्शेल गिब्स ने कहा, आईएलसी बाकी लीगों से इसलिए अलग है क्योंकि इसमें विभिन्न महाद्वीपों की टीमें शामिल हैं। यह टूर्नामेंट अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव कराएगा और दर्शकों को बेहतरीन क्रिकेट का रोमांच देगा।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल ने आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा, आईएलसी जैसी लीग उन खिलाड़ियों के लिए खास मायने रखती है, जो रिटायरमेंट के बाद भी प्रतिस्पर्धात्मक क्रिकेट खेलना चाहते हैं। इस लीग में दोबारा मैदान पर लौटना मेरे लिए गर्व की बात है। आईएलसी लीग के सीईओ उमेश कुमार ने इस ऐतिहासिक पहल को लेकर कहा, यह लीग हमारे सपने के साकार होने जैसा है। जब हमने इसकी योजना बनाई थी, तब ही हमें विश्वास था कि हम क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक शानदार मंच तैयार कर रहे हैं। इस अवसर पर विधायक उमेश कुमार (खानपुर, उत्तराखंड), आईएलसी के सीईओ प्रदीप सांगवान, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज व आईएलसी के प्रमोटर हर्शेल गिब्स, पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल, आईएलसी लीग के निदेशक राहुल हुड्डा, गौरव कमल, मनीष भट्ट, दुबई के कारोबारी जितेंद्र कुमार सिंला, गायक व अभिनेता अली क़ुली मिर्जा और 100 स्पोर्ट्स मैनेजमेंट के संस्थापक रविंद्र भाटी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

गेम डिजाइनिंग में है करियर की नई संभावनाएं

आज का समय जिस तेजी के साथ बदल रहा है, उस समय में जरुरी नहीं है कि वहीं पुरानी पढ़ाई आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस पढ़ी जाये, जमाना बदल रहा है। अलग अलग फील्ड में करियर बनाने के नए-नए मौके और विकल्प मौजूद हैं। करियर के कई सारे ऑप्शन मारे सामने मौजूद है। उनमें से ही एक है गेम डेवलपर या गेम डिजाइनर। अगर आपको भी कप्यूटर्स, मोबाइल्स और लैपटॉप्स पर गेम खेलना पसंद है तो इस इंडस्ट्री में करियर बनाना आपके लिये एक सही विकल्प हो सकता है।

अगर आप भी क्रीएटिविटी के साथ अपनी टेक्निकल स्किल्स को शार्प करना चाहते हैं, तो गेम डेवलपमेंट में करियर बना सकते हैं। आज के युवाओं का गेम में काफी इंटरेस्ट होता है। वह हर ऑनलाइन खेले जाने वाले खेल को काफी मजे से खेलते है। साथ ही उस गेम को लेकर अपनी सोच भी जाहिर करते है कि किस तरह से उस गेम को और क्रिएटिव बनाया जा सकता है।

क्या है गेम डिजाइनिंग?

गेम डिजाइन करना एक लंबी और बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें टीम के प्रोफेशनल्स अपनी क्रिएटिव और टेक्निकल स्किल्स के जरिए गेमिंग सॉफ्टवेयर तैयार करते हैं। गेम डेवलपमेंट में कई प्रक्रियाएं शामिल होती हैं, जैसे कॉन्सेप्ट की आउटलाइनिंग करना, रूल्स और प्रिंसिपल्स का डॉक्यूमेंटेशन, ग्राफिक्स डेवलपमेंट आदि। अब नई तकनीक के चलते वीडियो गेम्स भी 3डी प्लेटफॉर्म पर डिजाइन किए जाने लगे हैं।

जरूरी कोर्स

इस फील्ड में कैरियर बनाने के लिए इंटर में कम्प्यूटर विषय लें। कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के लिए बीसीए, एमसीए या इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में बीटेक या बीई करें। ग्रेजुएशन के बाद आप डिप्लोमा इन गेम डिजाइन एंड गेमिंग, वीडियो गेम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सर्टिफिकेशन, एडवांस्ड डिप्लोमा इन गेम डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं। आप 2डी और 3डी दोनों में से कोई भी एक प्लेटफॉर्म चुन सकते हैं और उसके बाद उससे जुड़ी एप्लिकेशंस पर काम कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

» इंडियन स्कूल ऑफ गेमिंग
» जी इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स
» एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गेमिंग एंड एनिमेशन
» माया अकेडमी ऑफ एडवांस्ड सिनेमेटिक्स
» ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ गेमिंग एंड एनिमेशन
» आईसीएटी डिजाइन एंड मीडिया कॉलेज
» पिकासो एनिमेशन कॉलेज

वर्क प्रोफाइल

गेम डिजाइनिंग में कई स्टेप्स पर काम होता है। इसके शुरुआती चरण में आर्ट्स डिजाइनिंग व क्रिएशन पर काम किया जाता है। इसके बाद कॉम्प्रिहेन्सिव स्टोरी लाइन तैयार की जाती है, जिसमें स्क्रिप्टिंग, कैरेक्टर स्केचिंग ऑब्जेक्ट्स, लेवल्स और बैकग्रांउड डिजाइनिंग शामिल हैं। इसके बाद कम्प्यूटर पर इसकी त्रि-आयामी (3 डी) डिजाइन तैयार की जाती है। इस स्टेज में डिजाइनर्स को कैरेक्टर्स के फेशियल एक्सप्रेशंस व फीचर्स पर खास ध्यान देना होता है। इसके बाद साउंड इफेक्ट्स, वीडियो रिकॉर्डिंग्स और बैकग्राउंड म्यूजिक तैयार किया जाता है।

भविष्य की संभावनाएं

आप बड़े गेमिंग ऑर्गनाइजेशंस में बतौर गेम डेवलपर, गेम डिजाइनर, गेम आर्टिस्ट, गेम एंड नेटवर्क प्रोग्रामर,स्क्रिप्ट राइटर व गेम टेस्टर काम कर सकते हैं। ट्रेनी के तौर पर आपकी सैलरी 10,000 रुपए के आसपास होगी, जो अनुभव के साथ 80,000 रुपए तक पहुंच सकती है।

ऑनलाइन भी हैं कोर्सेस

गेम डेवलपर के लिए कोर्सेस ऑनलाइन भी मौजूद हैं। इनके जरिए आप घर में ही गेम डेवलपिंग सीख सकते हैं।

कौन कर सकता है

बीए, बीकॉम, साइंस या अन्य किसी स्ट्रीम से ग्रैजुएट स्टूडेंट्स भी इस कोर्स को कर सकते हैं। 12वीं तक पढ़ाई कर चुके स्टूडेंट्स भी कोर्स के लिए पात्र होते हैं। ग्रैजुएशन में यदि किसी का टेक्निकल बैकग्राउंड है तो उसे और ज्यादा सपोर्ट मिल जाता है।

कहां मिलेगी जॉब

स्किल डेवलप होने के बाद आप घर से ही ऑनलाइन काम शुरू सकते हैं। गेम डेवलप करके गूगल प्लेस्टोर पर अपलोड कर सकते हैं। यहां से गेम डाउनलोड होने पर आपको ऑनलाइन भुगतान प्राप्त होगा। खुद की वेबसाइट शुरु करके फ्रीलांसिंग शुरु कर सकते हैं। आउटसोर्सिंग के जरिए काम कर सकते हैं।

दिल्ली, बैंगलुरु, हैदराबाद जैसे शहरों में बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां हैं जहां गेम डेवलपर्स की जरुरत है। आप यहां भी जॉब के लिए ट्राय कर सकते हैं। अगर आप भी गेम डेवलपमेंट में करियर को लेकर कंफ्यूज है तो क्रिएटिविटी से भरा गेम डेवलपमेंट में करियर आपके लिए बेहतर हो सकता है।

नौकरी पाने के लिए

इन स्किल्स का होना भी है जरुरी..

बढ़ते इस कंपीटिशन के दौर में नौकरी पाना कठिन होता जा रहा है। किसी भी जगह नौकरी पाने के लिए ना जाने कितने हजारों लोग उस पद के लिए अप्लाई करते है, ताकि वह वहां नौकरी पा सकें। चाहे आप किसी भी क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हो, लेकिन किसी भी जगह नौकरी पाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव इंटरव्यू होता है।

इंटरव्यू के बाद ही यह निश्चय किया जाता है कि किस व्यक्ति को जॉब पर रखना है या नहीं, लेकिन कई बार लोग घबरा जाते है। लेकिन इसके अलावा बहुत सारी बातें ऐसी है जो आपको नौकरी दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जल्दी घुल-मिलना सीखें: नौकरी पर रखने वाले हमेशा ऐसे लोगों की चाहत रखते हैं जो समय और परिस्थिति के हिसाब से खुद को ढाल लें। हंसमुख हो और लोगों से जल्दी घुलमिल जाएं। ऐसे लोग माहौल को आसान बना कर रखते हैं। वे हमेशा ही डिमांड में रहते हैं।

क्रिएटिव: किसी भी सिचुएशन में फंसने पर अपने दिमाग को तेजी से चलाना। नए-नए आइडियाज को पिच करने में किसी भी तरह की कोताही न बरतना। ऐसी क्रिएटिविटी की सभी अपेक्षा रखते हैं।

प्रतियोगी होना

अगर आप अपनी कार्यक्षमता में लगातार बढ़ोत्तरी करते रहते हैं तो ऐसे लोग हमेशा ही डिमांड में रहते हैं। हर संस्थान ऐसे लोगों को वरीयता देता है। संस्थान ऐसा चाहते हैं कि वहां का माहौल हमेशा ही वैसा बना रहे।

लीडरशिप स्किल: दुनिया के सारे संगठन और संस्थान किसी न किसी टीम के सहारे चल रहे हैं। जाहिर है कि इन टीमों का कोई मुखिया भी होगा। ऐसे में सारे संस्थान बढ़िया लीडर्स को तरजीह देते हैं। वे उन्हें अच्छी सेलेरी देकर अपने साथ रखने की कोशिश करते हैं।

संचार और संवाद में आगे: वैसे लोग जो अपनी बातों को मजबूती और स्पष्टता से रखते हैं। हमेशा ही अच्छे माने जाते हैं। नौकरी पर रखने वाले हमेशा ऐसे लोगों की खोज में रहते हैं। इस पर काम करने की कोशिश करें।

जल्दी चाहिए नौकरी तो रखें

इन 5 बातों का खास खयाल

पिछले साल की नाकामियों को भूलते हुए अगर आप नए साल में जल्दी नौकरी पाना चाहते हैं तो आपको कुछ बातों का खास तौर पर ध्यान रखना होगा. आज के दौर में नौकरी पाने के लिए डिग्री ही काफी नहीं है. डिग्री के साथ-साथ कई दूसरी चीजें भी हैं जो आपको नौकरी दिला सकती हैं. आज हम आपको ऐसी ही 5 बातों के बारे में बताने जा रहे हैं. जिसका ध्यान रखकर आप नए साल मे नौकरी पा सकते हैं. आइये जानते हैं कौन सी हैं वह बातें....

संबंधित कंपनी के बारे में पूरी जानकारी लें

नए साल में किसी भी कंपनी में नौकरी के लिए जाने से पहले आपको उसके बारे में पूरी जानकारी जुटा लेनी चाहिए. कंपनी से जुड़ी तमाम जानकारी के लिए आप उसकी वेबसाइट को सर्च कर सकते हैं. आपको वहां कंपनी की ग्रोथ से लेकर उसके काम करने के तरीके और वह किस चीज में बेस्ट है जैसी जानकारी मिलेगी. ऐसा करने से आप इंटरव्यू के लिए सही तरह से अपना होमवर्क पूरा कर पाएंगे. इंटरव्यू में यह आपके लिए मददगार साबित होगा. इससे इंटरव्यू लेने वाले को पता चलेगा कि आप कंपनी में नौकरी को लेकर आप कितने इच्छुक हैं.

हर तरह के सवालों के लिए रहें तैयार

इंटरव्यू के दौरान आपको कभी यह नहीं मालूम होता है कि सामने बैठा आदमी अगला सवाल क्या पूछने वाला है. ऐसे में आपको मानसिक तौर पर हर सवाल के लिए तैयार रहने की जरूरत है. संभव हो तो आप इंटरव्यू से कुछ दिन पहले ही अपने घर में भी आइने के सामने हर तरह के सवाल का जवाब खुद देने की कोशिश करें. तैयारी करते समय ध्यान रखें कि सवाल हर फिल्ड से होने चाहिए. सवालों का जवाब देते हुए कभी भी अपना कांफिडेंट लूज न करें.

कुछ प्रश्नों की पहले से तैयारी रखें

इंटरव्यू में आपसे साक्षात्कारकर्ता कौन-कौन से प्रश्न पूछ सकते हैं, ऐसे संभावित प्रश्नों की एक सूची बना लें. इन प्रश्नों का अपने दृष्टिकोण से बेहतर से बेहतर जवाब तैयार करने की कोशिश करें. साक्षात्कारकर्ता के सामने अपने जवाबों से अपना पॉजिटिव बिहेवियर प्रदर्शित करें. इससे साक्षात्कारकर्ताओं पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा.

रुख में हो लचीलापन

इस साल नौकरी के लिए आपके अपने व्यवहार में भी बदलाव लाने की जरूरत है. आप कोशिश करें कि अपने व्यवहार में लचीलापन लाएं. अगर आपको किसी दूसरे शहर में भी नौकरी करने का मौका मिला तो आप उस मौके को छोड़ें नहीं. यही वह मौका हो सकता है जो आपको करियर में कई नए विकल्प देगा.

इंटरनेट पर ही न रहें निर्भर

अच्छी नौकरी के लिए पूरी तरह से इंटरनेट पर निर्भर न रहें. बड़ी-बड़ी कंपनियों में लगने वाले नौकरी के मेलों के अलावा कंपनियों द्वारा समय-समय पर लगाए जाने वाले वॉक-इन-इंटरव्यू में भी हिस्सा लें.

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में होगी नौकरियों की भरमार

रोज बदलते बाजार का रुख जानना किसी भी व्यवसाय की प्रगति के लिए बेहद आवश्यक है। बाजार के ट्रेंड के इतर कोई विकास नहीं कर सकता। यही कारण है कि खाद्य पदार्थों, सीरियल और जूते की कंपनी से लेकर सरकारी योजनाओं तक में मार्केट रिसर्चर की मांग रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह क्षेत्र निरंतर विस्तार कर रहा है और आने वाले समय में इसमें नौकरियों की भरमार होगी। लोगों की किसी खास उत्पाद या वस्तु, नई योजनाओं आदि को लेकर प्रतिक्रिया, पसंद-नापसंद का अध्ययन मार्केट रिसर्चर का काम होता है। एक मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल सप्लायर की ओर से भी काम कर सकता है और क्लाइंट की ओर से भी।

आप भी मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं। खास बात यह है कि ऐसा नहीं है कि कोई खास डिग्री हासिल करने के बाद ही आप ये काम करें, बल्कि स्नातक करते हुए भी आप रिसर्च के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। अगर जल्दी काम करना शुरू करेंगे, तो प ?ाई के साथ-साथ आप इस क्षेत्र से जु ?ी आवश्यकताओं को समझ पाएंगे और फिर संबंधित विषयों को प ? कर अपनी जॉब पात्रता को अधिक मजबूत बना सकेंगे। उस अनुभव का फायदा आपको प्रोफेशनल जीवन में मिलेगा।

क्यों है यह क्षेत्र खास

पहले इनकी मांग विदेशों में ही अधिक होती थी, लेकिन अब वैश्विक स्तर पर इस तरह के विशेषज्ञों की मांग है। रिसर्च कराने का यह ट्रेंड पिछले 5 सालों में तेजी से बदला है। आज हर तरह के व्यवसाय के लिए मार्केट रिसर्च एक अहम पहलू बन गया है। यह व्यावसायिक रणनीति बनाने के लिए आवश्यक माना जाने लगा है। मार्केट रिसर्च में बाजार और ग्राहकों से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। जब मार्केट रिसर्च के परिणाम सामने आते हैं तो उसके आधार पर कंपनियां पैकेजिंग आदि से संबंधित फैसले लेती हैं और कंपनी अपने उत्पादों का प्रचार आदि भी मार्केट रिसर्च के आधार पर ही करना तय करती है। कई बार तो इस बात के लिए भी रिसर्च की जाती है कि ग्राहकों को क्या पसंद है और किन चीजों को वो किन कारणों से पसंद करते हैं। चूंकि आज ग्राहकों की पसंद काफी बदल गई है और बाजार में काफी प्रतियोगिता भी है, इसलिए ग्राहकों की मांग को जानने के लिए हर कंपनी इस तरह के शोध कराती है। नियमित तौर पर बदलते बाजार ट्रेंड को इनके जरिए जाना जा सकता है। सिर्फ कॉरपोरेट जगत में ही नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं को लागू करने से पहले आंकड़े जुटाए जाते हैं। राजनीतिज्ञ भी चुनाव से पहले रिसर्चर्स की मदद लेते हैं और किसी योजना को लागू करने के बाद उसके परिणामों को जानने तक में रिसर्चर ही अंतिम काम करते हैं।

कस्टमर एनालिसिस, रिस्क एनालिसिस, उत्पाद रिसर्च, विज्ञापन रिसर्च आदि की मदद से मार्केट की रिसर्च की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी से विकास करते उद्यमों में से एक है और भविष्य में इस क्षेत्र में कई गुना नौकरियों की संभावना का विस्तार होगा। सबसे पहले पिछली बिक्री के डाटा लिए जाते हैं और उनका अध्ययन किया जाता है। प्रतियोगियों के बारे में जानकारी, विभिन्न उत्पादों के दाम और उनके मार्केटिंग के तरीकों, वितरण के तरीकों का अध्ययन किया जाता है। फिर ग्राहकों से बात की जाती है। इसके लिए उनसे क्वेश्चनेयर भरवाए जाते हैं, उन्हें फोन किए जाते हैं, इंटरनेट सर्वे और पर्सनल इंटरव्यू लिए जाते हैं। फिर सारी जानकारियां जुटा कर उत्पाद के दाम, बिक्री, मार्केटिंग, वितरण आदि का विश्लेषण होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मार्केट रिसर्चर जिन विधियों को चाहे, उनका प्रयोग कर डाटा एकत्रित कर सकता है। ज्यादातर इसके लिए टेलीफोन, मेल या इंटरनेट सर्वे भी किए जाते हैं। इनके अलावा इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या पब्लिक प्लेस में बूथ आदि लगा कर भी सर्वे होते हैं।

कितनी तरह की रिसर्च

हर तरह की कंपनियां यह रिसर्च कराती हैं। इसके अलावा सरकारी एजेंसियां, राजनीतिज्ञ, सेवा प्रदाता कंपनियां भी रिसर्च कराती हैं। इसका क्षेत्र काफी बृहद है। इस तरह के रिसर्च का परिणाम सर्वे डिजाइनर्स तैयार करते हैं।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए पहली योग्यता है किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री। किसी भी विषय में 12वीं करने के बाद आप बीबीए कर सकते हैं। इसके आगे एमबीए की पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के विकल्प भी मौजूद हैं। और मास्टर्स स्तर पर मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कराया जाता है।

मार्केट रिसर्च में नौकरी के लिए स्नातक होना आवश्यक है। इसके अलावा अंग्रेजी पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। मार्केटिंग, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, सोशोलॉजी में पढ़ाई काफी मददगार साबित होती है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। स्नातक के बाद आपको ट्रेनी की नौकरी मिल जाती है। इन्हें कोडर्स भी कहा जाता है। इसके बाद इंटरव्यूअर्स या रिसर्च असिस्टेंट की पोस्ट मिलती है। इसके बाद सीनियर पोस्ट आती हैं।

कितना कमा सकते हैं

मार्केट रिसर्च में शुरुआती दौर में आप 15,000 रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। इसके बाद पद के हिसाब से 5 से 15 लाख तक का सालाना पैकेज बढ़ता जाता है।

ये स्किल्स हैं आवश्यक

कम्युनिकेशन स्किल्स
रचनात्मकता
सेल्समेनशिप
डाटा एकत्रित करना
टीमवर्क
विश्लेषण क्षमता
लगन

कहां से करें पढ़ाई

भारत में कई मैनेजमेंट संस्थान हैं, जो मार्केटिंग रिसर्च में खास पढ़ाई कराते हैं-
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु
एमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, नोएडा
एपीजे स्कूल ऑफ मार्केटिंग, दिल्ली
सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, पुणे
गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, लखनऊ
बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी
भारतीय विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, दिल्ली
सेंट जेवियर्स कॉलेज, कोलकाता
आईआईएम (अहमदाबाद, बेंगलुरु, कोलकाता, लखनऊ व इंदौर)
जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई

ये होते हैं पद

इस क्षेत्र में कदम रखने के बाद आप फील्ड वर्क से शुरुआत कर सकते हैं, इसके बाद वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च के पद तक पहुंच सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**